मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 154
बुधवार, 18 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

वन नेशन वन इलेक्शन बिल लोकसभा में पास

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर। आज संसद के शीतकालीन सत्र के 17वें दिन सरकार ने लोकसभा में 'एक देश, एक चुनाव' (वन नेशन, वन इलेक्शन) विधेयक पेश किया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इस विधेयक को पेश किया, जो 129वें संविधान संशोधन से संबंधित है। इस विधेयक को 12 दिसंबर को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी मिल चुकी थी।

लोकसभा में 'एक देश, एक चुनाव' विधेयक को मंजूरी मिल गई है। इसके लिए मतदान हुआ, जिसमें 269 वोट विधेयक के पक्ष में पड़े और 198 सांसदों ने इसका विरोध किया। बहुमत प्रस्ताव के पक्ष में है। इसके बाद कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बिल सदन में पेश कर दिया। वहीं, बिल को विस्तृत चर्चा के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया है। मतदान के बाद सदन की कार्यवाही दोपहर तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल पर मतदान शुरू हो गया है। लोकसभा में पहली बार इलेक्ट्रॉनिक मशीन से वोटिंग हो रही है। इस बिल के पक्ष में 220 वोट और विपक्ष में 149 वोट पड़े। कुल 369 सदस्यों ने वोट डाला। इसके बाद विपक्ष के सदस्यों ने आपत्ति जताई। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगर उन्हें कोई आपत्ति है तो वे पर्ची दे सकते हैं। इस पर स्पीकर ने कहा कि हमने पहले ही बताया था कि अगर किसी सदस्य को लगे तो

269 वोट विधेयक के पक्ष में पड़े 198 सांसदों ने किया विरोध

वह पर्ची के माध्यम से अपना वोट बदल सकता है।

भाजपा और शिवसेना ने विधेयक पर अपनी सहमति जताते हुए सभी सांसदों को सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है। वहीं, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी दल सरकार और विधेयक के समर्थन में खड़े हैं।

विपक्षी दलों ने इस विधेयक का विरोध किया है। उनका कहना है कि यह विधेयक असल मुद्दों से ध्यान हटाने का एक प्रयास है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) ने इस विधेयक को संविधान के मूल ढांचे पर हमला बताया है।

वन नेशन वन इलेक्शन बिल पर जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने कहा, ?हमने कहा था कि हम इसका पूरा समर्थन करते हैं कि लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होने चाहिए। पंचायत चुनाव अलग-अलग होने चाहिए। जब ??इस देश में चुनाव शुरू हुए थे, तब वन नेशन वन इलेक्शन था। यह कोई नई बात नहीं है। विसंगतियां तब शुरू हुईं, जब 1967 में कांग्रेस ने राष्ट्रपति शासन लगाना शुरू किया। इसलिए हम इसका समर्थन करते हैं। सरकार हमेशा चुनाव मोड में रहती है। खर्चा बहुत है।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने मंगलवार को अपना विरोध दर्ज कराते हुए तर्क दिया कि एक राष्ट्र, एक चुनाव? विधेयक संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ है।

तिवारी ने कहा कि यह विधेयक केंद्र और राज्य सरकारों के बीच संतुलन को बिगाड़ देगा और भारत की संघीय व्यवस्था को कमजोर करेगा। विधेयक के बारे में बोलते हुए तिवारी ने कहा, ?यह संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ है। भारत राज्यों का संघ है, इसलिए आप मनमाने ढंग से राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल को कम नहीं कर सकते। टीएमसी (तृणमूल कांग्रेस) ने भी इस विधेयक का विरोध किया।

नशामुक्ति के लिए सांसदों को अपने क्षेत्रों में आंदोलन चलाना होगा: ओम बिरला

नयी दिल्ली, 17 दिसम्बर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों से नशामुक्ति के लिए अपने क्षेत्रों में आंदोलन चलाने की अपील करते हुए कहा कि नशीले पदार्थों की समस्या को समाप्त करना ही होगा। बिरला ने सदन में प्रश्नकाल में कहा, नशामुक्ति के लिए सभी सदस्यों को अपने क्षेत्रों में बड़ा आंदोलन चलाना चाहिए। यह सामाजिक आंदोलन से ही संभव होगा और नशे की समस्या को समाप्त करना ही होगा। उन्होंने यह बात उस समय कही, जब सदस्य तटीय सुरक्षा और अवैध मादक द्रव्यों की तस्करी से संबंधित पूरक प्रश्न पूछ रहे थे।

पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि इस सरकार में अवैध मादक पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा में जब्ती इसलिए हो रही है क्योंकि निगरानी भी बढ़ी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 से 2024 के बीच मादक पदार्थों की जब्ती बढ़ी है। उन्होंने कहा कि एक दशक पहले 257 किलोग्राम मादक पदार्थ तस्करी किए जाते हुए पकड़ा गया था और इस साल यह आंकड़ा 12,617 किलोग्राम हो गया है।

उन्होंने कहा कि इसी तरह अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की जब्ती भी एक दशक में 7,000 किलोग्राम से करीब 500 गुना बढ़कर 4.15 लाख किलोग्राम के करीब पहुंच गई है। राय ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के प्रयास में इनकी अत्यधिक मात्रा में जब्ती का मतलब है कि भारत के अंदर तस्करी की साजिश को रोका जा रहा है।

भाजपा की एक राष्ट एक चुनाव के पीछे की मंशा एक राष्ट्र कोई चुनाव नहीं : के. सी. वेणुगोपाल

बेलगावी (कर्नाटक), 17 दिसम्बर । कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था संबंधी दो विधेयकों को लोकसभा में पेश किये जाने को लेकर मंगलवार को केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव के पीछे की स्पष्ट मंशा एक राष्ट्र, कोई चुनाव नहीं है। उन्होंने एक राष्ट्र, एक चुनाव को अव्यावहारिक करार दिया और संसद में संबंधित विधेयकों के पारित होने पर संदेह व्यक्त किया।

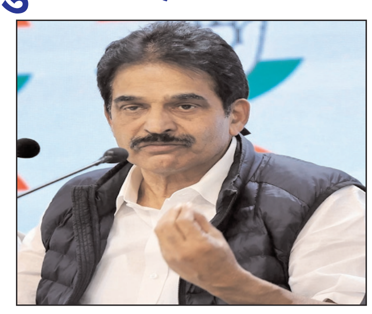

वेणुगोपाल ने एक सवाल के जवाब में कहा, एक राष्ट्र, एक चुनाव का अभिप्राय और स्पष्ट मंशा - एक राष्ट्र, कोई चुनाव नहीं है। भाजपा का मुख्य एजेंडा एक राष्ट्र, कोई चुनाव नहीं है। वे बिल्कुल भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया नहीं चाहते हैं। पूरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को धीरे-धीरे नष्ट करने के लिए, वे एक राष्ट्र एक चुनाव का यह नया विचार ला रहे हैं। कांग्रेस महासचिव ने यहां संवाददाताओं से कहा, कर्नाटक की अपनी विशेषता है। केरल की अपनी विशेषता है, इसी तरह मणिपुर और जम्मू कश्मीर की भी अपनी-अपनी विशेषता है। विविधता में एकता इस देश की खूबसूरती है। ये लोग (भाजपा) लोकतंत्र, विविधता में विश्वास नहीं करते हैं। पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था करने वाले विधेयक मंगलवार को तीखी बहस के बाद लोकसभा में पेश किए गए। विपक्षी दलों ने मसौदा कानूनों - एक संविधान संशोधन विधेयक और एक साधारण विधेयक - को संघीय ढांचे पर हमला बताया। हालांकि, सरकार ने इस आरोप को खारिज कर दिया। विपक्ष द्वारा मत विभाजन की मांग के बाद ये विधेयक प्रस्तुत किये गये।

देश बाबा साहेब के संविधान से चलेगा, मोदी-शाह के फरमान से नहीं: संजय सिंह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने मंगलवार को राज्यसभा में केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों की चुनी हुई सरकारों को गिराने और अस्थिर करने की कोशिश की जा रही है। सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि इस देश का संविधान बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान से चलेगा, न कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आदेशों से। संजय सिंह ने दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) के नेताओं द्वारा कई मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव घोटालों को दिल्ली में दोहराना चाहती है।

संभल के बाद काशी के मुस्लिम इलाके में शिव मंदिर होने का दावा

- **ताले में बंद मंदिर के बाहर महिलाओं ने किया शंखनाद, गूंजा हर - हर महादेव**
- **1978 के दंगे के बाद हिंदू परिवार पलायन कर गए थे, तब से बंद है मंदिर**

सुरेश गांधी

वाराणसी। एक तरफ संभल सुर्खियों में है तो दूसरी तरफ वाराणसी में भी मुस्लिम इलाके में पुराना बंद पड़ा शिंव मंदिर मिलने से हड़कंप मचा है। सालों से बंद पड़ा यह मंदिर दशाश्वमेध थाना क्षेत्र के मुस्लिम बाहुल्य इलाका मदनपुरा में है. सनातन का मोर्चा संभाल रहे लोगों का कहना है कि यह मंदिर 250 साल पुराना है और मंदिर में 10 साल से ताला बंद है। मंदिर के अंदर मिट्टी भरी है। मौके पर पहुंची बंगाली समाज की महिलाओं द्वारा शंखनाद करते हुए नमः पार्वती पतये हर-हर महादेव के नारे लगाए गए। महिलाओं ने कहा कि हमारा उद्देश्य विवाद का नहीं है यहां मंदिर है और इसे खुलना चाहिए, जिससे पूजा- पाठ किया जा सके। इस मामले को लेकर एहतियातन मंगलवार की सुबह से मौके पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स लगाई गई है।

बता दें, संभल में 4 दिन में 2 बंद मंदिर मिले हैं। दोनों मुस्लिम बहुल इलाके में हैं। पहला कार्तिकेश्वर मंदिर 14 दिसंबर को जामा मस्जिद से डेढ़ किमी खग्गूसराय में मिला था। दूसरा आज यानी मंगलवार को हयात नगर के सरायतरीन में मिला। मंदिरों की बीच की दूरी 2 किमी है। इसी तरह वाराणसी में मुस्लिम बहुल इलाके में मंदिर होने का दावा किया जा रहा है। इसे लेकर मंगलवार को मौके पर काफी संख्या में लोग पहुंचे और मंदिर खोलने की मांग पर अड़े रहे। जबकि राशिद खान का कहना है कि ये प्रॉपर्टी उनकी है, इसमें किसी और को पूजा करने की अनुमति नहीं मिलेगी। जो जैसा है वैसे रहने दिया जाए। इस मामले को इतना हाईलाइट न किया जाए।

उधर मंदिर होने की सूचना मिलते ही सनातन रक्षक दल के सदस्य मौके पर पहुंच गए थे। सदस्यों ने मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हस्तक्षेप करने और मंदिर का ताला खुलवाने की मांग की है। ताला किसने बंद किया, इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिल सकी। जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और समझा-बुझाकर सदस्यों को वापस भेजा। सनातन रक्षक दल के प्रदेश अध्यक्ष अजय शर्मा ने बताया कि सोमवार की दोपहर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की गई। लिखा गया कि ध्यान दीजिए। काशी की गलियों में बंद पड़ा है शिव मंदिर। यह मंदिर मदनपुरा में मकान नंबर डी- 31 के चबूतरे के पास है। इस पोस्ट को पढ़ने के बाद मौके पर पहुंचा तो मंदिर मिला। आसपास रहने वाले लोग मंदिर के बारे में कुछ स्पष्ट नहीं बता रहे थे। मंदिर के अंदर मिट्टी भरी हुई है।

अजय शर्मा ने बताया कि इस मंदिर का जिक्र काशीखंड में है। मंदिर पुष्पदंतेश्वर से दक्षिण परम सिद्धिप्रद सिद्धीश्वर हैं। मंदिर के पास ही सिद्धतीर्थ कूप भी है। यह पूरा इलाका किसी समय में हिंदू आबादी का हुआ करता था, लेकिन धीरे-धीरे इस इलाके में मिश्रित आबादी बसती चली गई और वर्ग विशेष के लोगों ने कई मकान खरीद लिए. उनका कहना है कि आसपास बड़ी संख्या में पहले यहां पर बंगाली आबादी ही हुआ करती थी. बंगाली परिवार यहां रहा करते थे, लेकिन समय के साथ यहां से लोग दूर हो गए. फिलहाल इस मामले की जांच अधिकारियों द्वारा की जा रही है. इसके बाद ही कोई कार्रवाई प्रशासन करेगा. हालांकि यहां पूजा पाठ की मांग की गई है.

नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने कहा कि जो भी कार्रवाई करनी है, वह पुलिस को करनी है. मैं इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं कर सकता. संबंधित विभाग कार्रवाई कर रहा है.ह्व हालांकि प्रसासन अभी इस मामले की जांच करवा रहा है. ताला अभी खोला नहीं गया है. हमारे लीगल एडवाइजर इस मामले को देखेंगे. जिनकी मदद से यह जानने की कोशिश होगी कि यह मंदिर कितना पुराना है और कब तैयार हुआ था. इससे जुड़ी समस्त जानकारियां और दस्तावेजों को निकालने की कोशिश की जा रही है. फिलहाल देखने में मंदिर का स्ट्रक्चर नजर आ रहा है. बाहर होने की वजह से यह सार्वजनिक भी है. मंदिर किसी वर्ग विशेष या परिवार का नहीं हो सकता है. मंदिर सभी लोगों के लिए पूजा स्थल होता है.

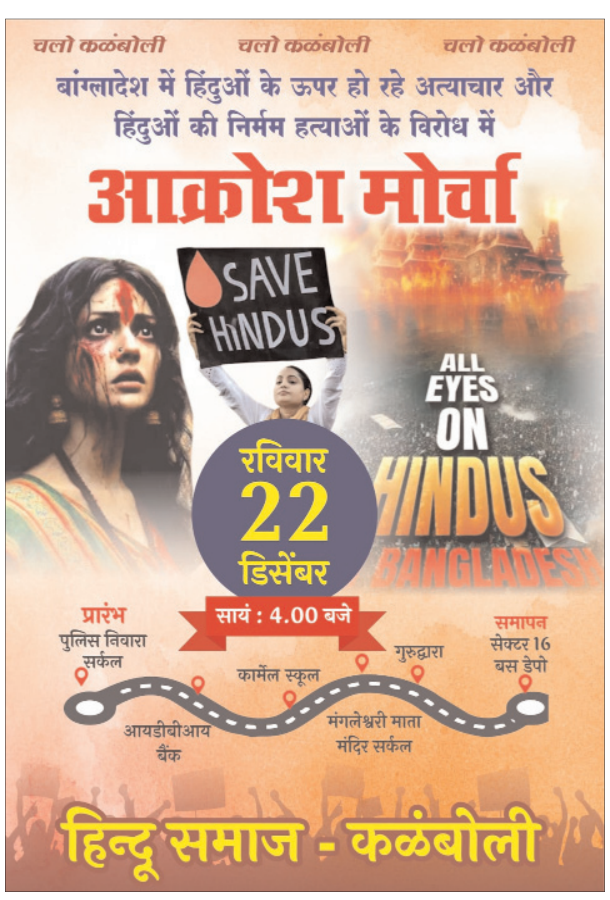

अल्पसंख्यक के नाम पर राजनीति ज्यादा खतरनाक

-ललित गर्ग

अंतरराष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिकार दिवस -18 दिसंबर 2024

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पहली बार 18 दिसंबर 1992 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा, राष्ट्र निर्माण में योगदान के रूप में चिन्हित कर अल्पसंख्यकों के क्षेत्र विशेष में ही उनकी भाषा, जाति, धर्म, संस्कृति, परंपरा आदि की सुरक्षा को सुनिश्चित करने एवं समाज को जागृत करने हेतु मनाया जाता है। इस साल थीम ह्वविविधता और समावेश का जश्न मनानाह्न है। इसका उद्देश्य भारत के अल्पसंख्यकों की समावेशिता और विविधता को बढ़ावा देना है। यह थीम इस बात पर जोर देती है कि अल्पसंख्यक के अधिकार सिर्फ. आकांक्षाएं नहीं हैं, बल्कि बेहतर भविष्य के लिए लोगों और समुदायों को सशक्त बनाने का एक व्यावहारिक तरीका भी हैं। संयुक्त राष्ट्र ने अल्पसंख्यकों की परिभाषा दी है कि ऐसा समुदाय जिसका सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक रूप से कोई प्रभाव न हो और जिसकी आबादी नगण्य हो, उसे अल्पसंख्यक कहा जाएगा। भारत में, इस दिन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (एनसीएम) द्वारा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिकार दिवस व्यापक स्तर पर मनाया जाता है। यह दिवस राष्ट्रीय या जातीय, धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों से संबंधित व्यक्तियों के अधिकारों की घोषणा को जीवंतता प्रदान करने का दिवस है। भारत में केंद्र सरकार अल्पसंख्यकों के गैर-भेदभाव और समानता के अधिकारों की गारंटी के प्रयास सुनिश्चित करने के लिये प्रतिबद्ध है। इस दिन, देश के अल्पसंख्यक समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों और मुद्दों पर ध्यान खींचा जाता है। लोग धार्मिक, सांस्कृतिक, भाषाई और जातीय अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने की बात करते हैं।

भारत ह्वलोकतंत्र की जननीह्न कहलाता है, यहां के लोकतंत्र को खुबसूरती प्रदान करने के लिये भारत का संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करता है और भाषाई, जातीय, सांस्कृतिक और धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कई उपक्रम एवं प्रयोग करता है। सरकार उन लोगों का गंभीरता एवं समानता से ख्याल रखती है जो अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के लोगों सहित उनकी जाति, संस्कृति और समुदाय के बावजूद आर्थिक या सामाजिक रूप से वंचित लोग हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रत्येक राष्ट्र में अलग-अलग जातीय, भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यक समूह होते हैं। भारत में अनेक अल्पसंख्यक समुदाय है। आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, मणिपुर, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे विभिन्न राज्यों ने अपने-अपने राज्यों में राज्य अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की, जो संविधान और संसद और राज्य विधानमंडलों द्वारा अधिनियमित कानूनों में दिए गए अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा और संरक्षण करते हैं। अल्पसंख्यक अधिकार दिवस अल्पसंख्यकों के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव को खत्म करने के मकसद से मनाया जाता है। हालांकि, कानूनी रूप से भारत के संविधान में अल्पसंख्यक की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है लेकिन अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के लिए संविधान के कई प्रावधान अनुच्छेद 29, 30 आदि हैं। अल्पसंख्यक शब्द अल्प और संख्यक दो शब्दों से बना है। जिसका मतलब दूसरों की तुलना में कम संख्या होना है। भारत में अल्पसंख्यकों में मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी शामिल हैं। जरूरत है कि अल्पसंख्यकों को नहीं बांटें और सत्य को नहीं ढकें।

लोकतंत्र भारत की आत्मा है और उसकी रगों में लोकतंत्र रचा-बसा है। यहां सभी को समानता से जीने का अधिकार है, जाति, पंथ एवं धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव का कोई सवाल ही नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के कल्याण एवं अधिकारों पर बल दिया है तभी उनकी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के सिद्धांत पर चलती है। अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव के आरोप पर मोदी ने कहा कि भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों में धर्म, जाति, उम्र या भू-भाग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। हमारी सरकार लोकतंत्र के मूल्यों के आधार पर बने संविधान के आधार पर चलती है तो पक्षपात का कोई सवाल ही नहीं उठता है। ह्वसबकाह्न शब्द में सभी अल्पसंख्यक वर्ग को सम्मिलित करने का भाव है, मोदी सरकार ने अपने नए नारे के साथ ये एहसास दिलाने का प्रयास किया है कि अल्पसंख्यक समुदाय का भी विश्वास अर्जित करने के भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। तीन तलाक के विरुद्ध कानून लाकर अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं को बहुसंख्यक समाज के महिला के बराबर बताने की कोशिश ऐसा ही प्रयास है।

भारत की माटी ने ह्ववसुधैव कुटुम्बकमह्न का उद्घोष करके सभी प्राणियों के सुखी एवं समृद्ध होने की कामना की है। यहां अल्पसंख्यकों के साथ इसी उद्घोष की भांति उदात्तता बरती जाती है। महात्मा गांधी ने कहा भी है कि किसी राष्ट्र की महानता इस बात से मापी जाती है कि वह अपने सबसे कमजोर नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है ह्न इस दृष्टि से आजादी के बाद की सभी सरकारों ने अल्पसंख्यकों के साथ उदात्त एवं कल्याणकारी दृष्टिकोण अपनाया है। लेकिन कुछ राजनीतिक दलों ने अपने स्वार्थों के लिये अल्पसंख्यकों को गुमराह किया है, साम्प्रदायिक उन्माद पैदा किया है। जिससे भारत के लोकतंत्र पर लाल और काले धब्बे लगते गये हैं। इन्हीं संकीर्ण एवं साम्प्रदायिकता की राजनीति करने वाले दलों ने अल्पसंख्यकों के कल्याण की बजाय उनको वोट बैंक मानकर उनके वास्तविक अधिकारों की अनदेखी की है। ऐसे राजनेताओं ने अल्पसंख्यकों का जीवन खतरे में है, कहकर उन्हें उकसाया है, राष्ट्र की मूलधारा से अलग-थलग करने की कोशिश की है, लेकिन मोदी सरकार ने अल्पसंख्यकों के कल्याण की अनेक बहुआयामी योजनाओं एवं नीतियों को लागू कर इन तथाकथित नेताओं की जुबान पर ताला लगा दिया है। सच कहा जाये तो देश में अल्पसंख्यक खतरे में नहीं हैं, अल्पसंख्यकों के नाम पर राजनीति करने वाले खतरे में हैं।

भारत विविध संस्कृतियों और समुदायों का देश है, यही इसका सौन्दर्य है। एक या अधिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव और जबरन आत्मसात करने से समृद्ध और ऐतिहासिक संस्कृतियों, भाषाओं और धर्मों का नुकसान हो सकता है जिन्होंने सदियों से भारत में अपनी विरासत संभाली है। विशिष्ट भारतीय समुदायों की सांस्कृतिक रूप से विविध पहचान को केवल अल्पसंख्यकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करके ही बरकरार रखा जा सकता है। भारतीय सामाजिक प्रथाओं में प्रत्येक संस्कृति और धर्म के प्रति सहिष्णु और सर्व-समावेशी रवैया शामिल है। भेदभाव, जबरन आत्मसातीकरण एवं धर्म-परिवर्तन समुदायों को खतरे में डालता है और भारतीय समाज के समग्र सार एवं उसके मूल स्वरूप को प्रभावित करता है। भेदभाव नफरत का सबसे खराब एवं वीभत्स रूप है। लोगों के एक समूह के खिलाफ उनकी भाषाई या सांस्कृतिक मान्यताओं के आधार पर हिंसक कार्रवाई करना किसी व्यक्ति के विवेक के लिए हानिकारक है।

खतरा मन्दिरों, मस्जिदों, गिरजों और गुरुद्वारों को नहीं है। खतरा हमारी संस्कृति को है, हमारी सांस्कृतिक एकता को है, जो हमारी हजारों वर्षों से सिद्ध चरित्र की प्रतीक है। जो युगों और परिवर्तनों के कई दौरों की कसौटी पर खरा उतरा है। कोई बहुसंख्यक और कोई अल्पसंख्यक है, तो इस सच्चाई को स्वीकार करके रहना, अब तक हम क्यों नहीं सीख पाए? देश में अनेक धर्म के सम्प्रदाय हैं और उनमें सभी अल्पमत में हैं। वे भी तो जी रहे हैं। उन सबको वैधानिक अधिकार हैं तो नैतिक दायित्व भी हैं। देश, सरकार संविधान से चलते हैं, आस्था से नहीं। धर्म को सम्प्रदाय से ऊपर नहीं रख सके तो धर्म का सदैव गलत अर्थ निकलता रहेगा। धर्म तो संजीवनी है, जिसे विष के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। वोटों के लिए जिस प्रकार की धर्म की एवं अल्पसंख्यकवाद की राजनीति चलाई जा रही है और हिंसा को जिस प्रकार समाज में प्रतिष्ठापित किया जा रहा है, क्या इसको कोई थामने का प्रयास करेगा? राजनीति का व्यापार करना छोड़ दीजिए, भाईचारा अपने आप जगह बना लेगा, अल्पसंख्यक अपने आप ऊपर उठ जायेगा।

सावधान ,कहीं आप भी तो नहीं हो रहे नकली दवाइयों के शिकार?

अशोक भाटिया

आज के समाचार पत्रों में प्रमुखता से नकली दवाइयों के जब्ती की खबर छपी है। खबर के अनुसार महाराष्ट्र के ठाणें में जिले में छापेमारी के बाद 1.85 करोड़ रुपये की नकली दवाएं जब्त की गई हैं। बताया कि पिछले कुछ महीनों में भिवंडी के एक गोदाम और मीरा रोड इलाके में एक अन्य प्रतिष्ठान पर छापे मारे गए और ये नकली दवाइयां पकड़ी गई । जांच में पता चला कि आरोपी नकली दवाओं का निर्माण और बिक्री कर रहे थे, और वो निमार्ता होने का झूठा दावा कर रहे थे। शिकायत के अनुसार, दवाओं को कई राज्यों में भेजा जा रहा था।

समाचार के अनुसार मुंबई में आयुर्वेद के नाम पर नकली दवा बना रही घरवार फार्मा प्राईवेट लिमिटेड पर एफडीए ने रेड मारी थी। एफडीए ने फर्जी दवा बनाने वाली कंपनी पर छापा मारकर 1 करोड़ 27 लाख रुपये की नकली दवा जब्त की थी। वहीं करीब 2 करोड़ 93 लाख 255 रुपये की मशीनों को भी सीज किया है। छापेमारी वसई के गीता गोविंद इंडस्ट्री नवघर के शैलेश इंडस्ट्री के 20 नंबर गली में की गई। कार्रवाई में सामने आया कि कंपनी पिछले करीब 7 सालों से नकली दवाओं का निर्माण कर रही थी। ये कंपनी घरवार फार्मा प्रोडक्ट प्राईवेट लिमिटेड और रूस्रक फार्मा के नाम से थी। इसका लाइसेंस पंचकूला का है, लेकिन दवा का प्रोडक्शन वसई में शुरू था। यह तो केवल एक छापा था उसके आलावा महाराष्ट्र के नागपुर, वर्धा, भिवंडी व अंबाजोगाई सहित राज्य के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में नकली दवाईयों के आपूर्ति के मामले सामने आ रहे है और दवा आपूर्ति में होने वाले बोगसगिरी का भंडाफोड़ हुआ है। जिसके पीछे कोई बडा अंतराज्यिय रैकेट रहने की संभावना है। विशेष उल्लेखनीय यह है कि, विगत 15 माह से किसी न किसी सरकारी अस्पताल में नकली दवाईयों का स्टॉक मिल रहा है और मामले की जांच भी चल रही है। लेकिन इसके बावजूद अब तक प्रशासन के हाथ पूरी तरह से खाली है।

बता दें कि, नागपुर, वर्धा व भिवंडी सहित अब अंबाजोगाई के स्वामी रामानंद तीर्थ वैद्यकीय महाविद्यालय व अस्पताल में नकली दवाईयों की आपूर्ति होने का मामला सामने आया है। अंबाजोगाई के अस्पताल में एक मरीज का नकली दवा की वजह से रिएक्शन हुई। जिसे लेकर अस्पताल प्रशासन ने अन्न व औषधी प्रशासन के पास शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पता चला कि, नागपुर में भी एजीथ्रोमायसिन की नकली गोलियों की आपूर्ति हुई है। ऐसे में अन्न व औषधी प्रशासन ने इस दवाई के प्रयोग को रुकवाते हुए हॉस्पिटल के स्टॉक की जांच की, तो पता चला कि, अंबाजोगाई के अस्पताल में 25 हजार गोलियों का स्टॉक मिला। साथ ही पता चला कि, एजीथ्रोमायसिन टैबलेट की आपूर्ति का ठेका कोल्हापुर की विशाल इंटरप्राइजेस नामक कंपनी को मिला था और इसी कंपनी ने अंबाजोगाई के स्वामी रामानंद तीर्थ अस्पताल को दवाईयों की आपूर्ति की थी। साथ ही साथ इसी कंपनी ने नागपुर के सरकारी अस्पताल में भी इस दवा की आपूर्ति की थी और इस कंपनी के खिलाफ नागपुर के अजनी पुलिस थाने में अपराध भी दर्ज है। ऐसे में अब पूरे मामले की सघन जांच की जा रही है। लेकिन आश्चर्य इस बात को लेकर जताया जा रहा है कि, विगत 15 माह से राज्य के अलग-अलग सरकारी अस्पतालों में उजागर हो रहे इन मामलों के बावजूद अब तक पुलिस तथा अन्न व औषधि प्रशासन विभाग के हाथ पूरी तरह से खाली है।

गौरतलब है कि दवाएं बीमारी के वक्त शरीर को स्वस्थ बनाने के साथ गंभीर स्थिति में जीवन रक्षक होती हैं। स्वास्थ्य के लिए वरदान समझी जाने वाली यही दवाएं यदि मुनाफाखोरी का जरिया बन जाएं तो सेहत की दुश्मन बन जाती हैं। पिछले सप्ताह दिल्ली पुलिस ने नकली दवाओं के एक बड़े गिरोह को पकड़ा। पुलिस ने आरोपितों के पास से कैंसर की अलग-अलग ब्रांड की नकली दवाएं बरामद कीं। इनमें सात दवाएं विदेशी और दो भारतीय ब्रांड की हैं। आरोपी कीमोथैरेपी के इंजेक्शन में पचास से सौ रुपये की एंटी फंगल दवा भरकर एक से सवा लाख रुपये में बेच रहे थे। कुछ दिन पहले ही तेलंगाना में औषधि नियंत्रक प्रशासक ने चाक पाउडर से भरी हुई गोलियां बरामद कीं। इसी तरह गाजियाबाद में नकली दवा बनाने वाली एक फैक्ट्री पकड़ी गई थी। देश के अलग-अलग हिस्से से आए दिन गुणवत्ताविहीन और मिलावटी दवाओं के कारोबार से जुड़े मामले प्रकाश में आते रहते हैं।

एक ही मर्ज की बाजार में मिलने वाली अलग-अलग ब्रांड की दवाओं की दक्षता में अंतर होना चिंताजनक है। नकली और मिलावटी दवाएं जहां बीमारी से लड़ने में असरदार नहीं होती हैं, वहीं वे दूसरे रोगों का कारक बनती हैं। इनका सेवन गुर्दे, यकृत, हृदय और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है। गुणवत्ताविहीन दवाएं निर्यात के मोर्चे पर देश की साख भी कमजोर करती हैं। लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले ये गतिविधियां अब संगठित अपराध की शक्ल ले चुकी हैं।

दवा निर्माण एक चरणबद्ध प्रक्रिया है। ये नैदानिक परीक्षण के बाद उपभोक्ताओं तक पहुंचती हैं। दवा कंपनियों में प्रयोगशालाएं होती हैं, जहां प्रत्येक चरण का आकलन कर दवा को अंतिम रूप दिया जाता है। भारतीय भेषज संहिता (आइपीसी) और भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अन्य फामूर्ले से दवाओं का निर्माण, परीक्षण और संधारण होता है। हर दवा निमार्ता कंपनी के लिए तय प्रोटोकाल का पालन अनिवार्य है। देश में नकली और मिलावटी दवाओं पर रोक लगाने के लिए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 में दंड और जुमार्ने का प्रविधान है। इसके अंतर्गत नकली दवाओं से रोगी की मौत या गंभीर चोट पर आजीवन कारावास की सजा है। मिलावटी या बिना लाइसेंस दवा बनाने पर पांच साल की सजा का प्रविधान है।

देश के अलग-अलग राज्यों में 29 दवा परीक्षण प्रयोगशालाएं हैं। इसके अलावा आठ केंद्रीय लैब भी स्थापित हैं। मिलावटी दवाओं पर रोक लगाने के लिए संसाधनों की कमी नहीं है। ऐसे मामलों में राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर नियामक एजेंसियों द्वारा कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है। एक साधारण व्यक्ति के लिए यह समझ पाना आसान नहीं कि किसी दवा का रासायनिक संयोजन क्या है। मरीजों को दवाओं के बारे में जरूरी और स्पष्ट जानकारी भी नहीं दी जाती।

कई बार तो पर्चे पर लिखी दवा का नाम उच्च शिक्षित व्यक्ति भी नहीं पढ़ पाता। इसके लिए नियामकों द्वारा समय-समय पर चिकित्सकों को दवाओं के नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखने के निर्देश दिए गए हैं। मरीज को लिखी गई दवाओं में किसका क्या काम है, यदि यह जानकारी चिकित्सक द्वारा मरीज को दी जाए तो आपूर्ति तंत्र में घटिया दवाओं की मौजूदगी थमेगी। इससे चिकित्सक-मरीज के बीच भरोसा भी बढ़ेगा। पिछले साल दवाओं में क्यूआर कोड लगाए जाने की पहल शुरू हुई है। यह सभी दवाओं में अनिवार्य किया जाना चाहिए। इससे दवाओं की कालाबाजारी थमेगी। दवाओं की गुणवत्ता तय करने में फामाकोविजिलेंस कार्यक्रम काफी मददगार साबित हो सकता है। इसमें दवाओं के प्रतिकूल प्रभावों का अध्ययन कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण बनाया जाता है। घटिया दवाओं से जुड़े मामलों की जितनी अधिक शिकायतें होंगी, कानूनी शिकंजा उतना ही सख्त होगा। दवा उद्योग में संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के लिए केंद्र सरकार शिकायत प्रणाली को मजबूत कर रही है।

कुछ दिन पहले दवा कंपनियों के लिए यूनिफार्म कोड फार फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिस (यूसीएमपी), 2024 लागू किया गया है। इसके तहत अब दवा कंपनियों को अपनी वेबसाइट पर शिकायत करने की व्यवस्था देनी होगी। कंपनियां चिकित्सकों को प्रचार के नाम पर उपहार नहीं दे सकेंगी। आयोजन में विशेषज्ञ के तौर पर आमंत्रित किए जाने वाले चिकित्सकों को ही आने-जाने एवं ठहरने की सुविधा दी जा सकती है। ऐसे आयोजनों के खर्च का ब्योरा भी यूसीएमपी के पोर्टल पर साझा करना होगा। यदि फार्मा कंपनियां दवाओं के प्रचार के अनुचित तरीके अपनाती हैं तो सीधे उनके शीर्ष अधिकारी जिम्मेदार होंगे। यूसीएमपी संहिता के एक अन्य प्रविधान के अनुसार एक कंपनी अपनी सालाना बिक्री का सिर्फ दो प्रतिशत निःशुल्क सैंपल दवाएं बांट सकती है। भारतीय दवा उद्योग दुनिया भर में भरोसे का प्रतीक है। वैश्विक स्तर पर 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति भारत करता है।

एक अनुमान के मुताबिक जल्द ही भारतीय दवा बाजार 60.9 अरब डालर के स्तर को पार कर जाएगा। ऐसे में अपने मुनाफे के लिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर समय रहते सख्त कार्रवाई करनी होगी। नकली दवाओं को बनाना-बेचना भ्रष्टाचार ही नहीं, मानवीय सेहत के लिए एक बड़ा खतरा भी है। ऐसे में नियामकीय व्यवस्था को मजबूत बनाकर ही नकली और मिलावटी दवाओं से निजात मिलेगी। अब यह समझने में विशेष कठिनाई नहीं होनी चाहिए कि देश की अर्थव्यवस्था पर घटिया एवं नकली दवाओं का बड़ा असर क्यों होता है। ये दवाएं बीमारियां ठीक करने में कारगर नहीं होतीं और अक्सर लोगों को अधिक समय तक बीमार रखती हैं। कभी-कभी ये जानलेवा भी साबित होती हैं। इससे इलाज का खर्च बढ़ जाता है और कामकाज का नुकसान भी होता है। इससे नौकरी जा सकती है और इलाज के लिए कर्ज भी लेना पड़ जाता है। जिस देश में इलाज के लिए एक बार अस्पताल में भर्ती होने पर ही देश की बड़ी आबादी की माली हालत खस्ता हो जाती है वहां ऐसी दवाओं की वजह से भारी संख्या में लोग गरीबी के जंजाल में फंस जाते हैं। घटिया और नकली दवाएं किसी भी उम्र के लोगों की जान ले सकती हैं मगर नवजात शिशुओं और बुजुर्गों के लिए ये ज्यादा खतरनाक होती हैं। इनसे लोगों की सेहत को दीर्घकालिक खतरे भी बढ़ जाते हैं जैसे बीमारियों से लड़ने की क्षमता कमजोर होना या दवाओं का रोगाणुओं पर बेअसर होना।

दुनिया में हुए कई अध्ययनों से पता चला है कि घटिया एवं नकली दवाएं किसी भी देश को गहरा नुकसान पहुंचाती हैं मगर भारत में नीति निर्धारकों ने इस बात की भी अनदेखी की है। भारत अगर अगले तीन या चार दशकों में भी मध्य-आय वर्ग वाले देशों की जमात से उठकर उच्च-आय वर्ग वाले देशों की सूची में जगह पाना चाहता है तो उसे अपना रवैया बदलना ही होगा।

योगीराज में श्रीराम मंदिर, अब संभल के हरिहर मंदिर की बारी!

-सुरेश गांधी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूं ही नहीं कहते, बटेंगे तो कटेंगे, इसका जीता जागता सबूत संभल में दिखाई दे रहा है। शाही मस्जिद विवाद के बीच 46 साल पहले जो राजनीतिक दंगे करवाएं गए, उसमें मुस्लिम परस्त दलों ने न सिर्फ हिन्दू पलायन होने दिया, बल्कि लगातार हिन्दू आबादी भी घटने दिया। वहां हुए तबके 19 दंगों में 25 हिन्दुओं को जिंदा जलाने के साथ सैकड़ों हिन्दुओं का सर तन से जुदा कर दिया गया। परिणाम यह रहा कि तब 65 फीसदी मुस्लिम आबादी के मुकाबले हिंदू आबादी 35 फीसदी थी और अब 80 फीसदी मुस्लिम आबादी के बीच हिन्दू आबादी घटकर 20 फीसदी हो गयी है। खास यह है कि तब से लेकर अब तक मुस्लिम परस्त पार्टियां उसी फामूर्ले पर अपने सांसद-विधायक बनाते रहे, लेकिन उनकी इस साजिश का भांडा योगीराज में उस वक्त फूटा, जब जब न्यायालय के आदेश पर एएसआई सर्वे करायी जा रही थी, तो संभल के दंगाईयों द्वारा प्रशासन पर पत्थर बरसाएं जा रहे थे। योगी सरकार अब जब पत्थरबाज दंगाईयों पर अपना चाबुक चला रही है, जांच के दौरान ताबड़तोड हो रही खुदाई में न सिर्फ बंद पड़े मंदिर मिल रहे है, बल्कि मूर्तियों का खजाना भी निकल रहा है। कार्तिकेय महादेव मंदिर के बाद राधा-कृष्ण मंदिर का मिलना इस बात का गवाह है कि संभल में न सिर्फ मंदिरों को तोड़ा गया, बल्कि साक्ष्य छिपाने के लिए उन्हें कुंओं में दबा दिया गया और हिन्दुओ को खदेड़कर मंदिरों में ताला लगा दिया।

फिरहाल, उत्तर प्रदेश के संभल से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी सहित अन्य शहरों में मंदिरों के मिलने का सिलसिला जारी है। ताजा मामला संभल के सरायतरीन इलाके में मिले राधा-कृष्ण मंदिर का है। प्रशासन की ओर से चल रहे सर्च अभियान में सालों से बंद एक और मंदिर का पता चला है। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मंदिर का ताला खुलवाया गया। प्राचीन मंदिर को राधा-कृष्ण मंदिर के नाम से जाना जाता है। एक समय में यह मंदिर हिंदू परिवारों से घिरा हुआ था। अब इस मंदिर के चारों तरफ की हिंदू आबादी गायब है। दावा किया जा रहा है कि यहां रहने वाले लोग पलायन कर चुके हैं। इस मंदिर के भी चार से पांच दशक से बंद होने की बात कही जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मंदिर सैकड़ों साल पुराना हो सकता है. 29 मार्च 1978 में संभल में हुए दंगों की दर्दनाक दास्तान आज भी लोगों के जेहन में ताजा है. जिसमें 184 लोगों की मौत हुई थी. आरोप है कि मुरारीलाल की फड़ पर 25 हिंदुओं को जिंदा जला दिया गया था. पुलिस और प्रशासन मूकदर्शक बना रहा. परिणाम यह रहा कि हिंदुओं को अपना घर और कारोबार छोड़कर पलायन करना पड़ा। आरोप है कि हिंदू समाज के लोगों के मन में डर का माहौल बनाया गया। प्रशासनिक मदद न मिलने से लोगों ने घर को छोड़ना ही बेहतर समझा। खास यह है कि संभल में हिंदू-मुस्लिम हिंसा के बाद इन इलाकों से पलायन शुरू हुआ। जान का डर देखकर लोग पलायन कर गए। इस कारण मंदिर के आसपास की डेमाग्राफी बदलती गई। लेकिन प्रशासनिक स्तर पर पिछले दिनों संभल में बिजली चोरी को लेकर जांच का अभियान चल रहा है। इसको लेकर प्रशासन की टीम अभियान चला रही है। खुदाई में पहले सांसद जियाउर्रहमान बर्क के मुहल्ले में हनुमान मंदिर मिला, उसके बाद राधा-कृष्ण मंदिर। मंदिर के मिलने की जैसे ही खबर मिली, प्रशासन फौरन पहुंच गया और ताला खुलवाया.

मतलब साफ है एक तरफ जहां संभल में शाही मस्जिद को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं. वहीं दूसरी तरफ एक घर के भीतर शिव मंदिर मिलने के बाद सियासी दलों में हड़कंप मचा हुआ है. दंगे के आरोपियों को बचाने के लिए सपाई गुंडे तांडव की धमकी देते फिर रहे हैं। जबकि सच यह है कि संभल में हालात बिगड़ने की वजह न्यायालय के आदेश पर हो रहे सर्वे नहीं था, बल्कि प्रशासन पर हमला था.ह्न हालांकि दंगाईयों के आकाओं को सदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जमकर लताड़ा है। योगी ने कहा कि उन दरिंदों को आज तक सजा क्यों नहीं मिली, जिन्होंने 46 वर्ष पहले संभल में नरसंहार किया था, इस पर चर्चा क्यों नहीं होती है? ह्नक्या वहां बजरंग बली की इतनी प्राचीन मूर्ति रातों-रात आ गई. वहां पर जो ज्योतिर्लिंग निकला है वो आस्था नहीं थी क्या? उन निर्दोष लोगों का क्या कसूर था. जिनकी निर्मम हत्या आज से 46 साल पहले संभल में हुई थी. आज 46 सालों से बंद पड़ा ये मंदिर सपा सांसद जियाउररहमान बर्क के घर से 200 मीटर की दूरी पर मिला है. कहा जा रहा है सांप्रदायिक दंगों और हिंदू आबादी के विस्थापन के कारण ये मंदिर 1978 से बंद पड़ा था. आरोप है कि आज की तरह बर्क जैसे दबंग मुस्लिम नेताओं की धमकी से डरकरके हिन्दू परिवार यहां से चला गया. जिसके बाद पूजा-पाठ बंद हो गई. आखिरी हिंदू परिवार साल 2012 में गया था. संभल के डीएम का कहना है कि यह मंदिर 400 साल पुराना बताया जा रहा है. मंदिर पर कब्जा करने की तैयारी थी. अगर यहां बिजली चोरी की चेकिंग नहीं होती तो मंदिर भी नहीं मिलता और इसे पूरी तरह कब्जे में ले लिया जाता. पुलिस की भारी मौजूदगी में इस मंदिर को खुलवाया गया और अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर एक्शन हुआ. संभल के शिव मंदिर को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। इस मंदिर पर दूसरे समुदाय के लोगों ने कब्जा किया था। एक व्यक्ति ने कमरा बना लिया था। दूसरे ने दरवाजा लगा लिया था। कई मकानों के छज्जे भी मंदिर परिसर में थे। अब सवाल यह उठता है कि साल 1978 में ऐसा क्या हुआ था, जिसके बाद संभल में भगवान शंकर के मंदिर पर ताला लगा दिया गया. इसकी गवाही 1976 और 1978 में हुए संभल के दंगे दे रहे है। संभल में करीब 80 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है.

संभल के जिस खग्गूसराय क्षेत्र में भगवान शंकर का मंदिर मिला है, वहां पहले बड़ी संख्या में हिन्दू परिवार की मौजूदगी का दावा किया जाता है. साल 1976 और 1978 में यहां दो बड़े दंगे हुए, जिसके बाद हिन्दू समाज ने बड़ी संख्या में पलायन करना शुरू कर दिया. दावा किया जाता है कि संभल में ही भगवान विष्णु के कल्कि अवतार का भी मंदिर था. साल 1978 में भड़की हिंसा बेहद भीषण थी, जिसके बाद संसद ने संभल में एक फैक्ट फाइंडिंग कमेटी भेजने पर भी विचार किया था. इतिहासकारों की मानें तो संभल जामा मस्जिद के इमाम मुहम्मद हुसैन की साल 1976 में हत्या कर दी गई थी. द प्रिंट वेबसाइट की रिपोर्ट में 55 वर्षीय हिन्दू निवासी सुशील गुप्ता से बातचीत का जिक्र है. वो मस्जिद के सामने वाली गली में ही रहते हैं. उन्होंने दावा किया कि 1976 में संभल जामा मस्जिद के मौलाना की हत्या कर दी गई थी. संसदीय रिकॉर्ड और एसएलएम प्रेमचंद की 1979 की प्रकाशित मॉब वायलेंस इन इंडिया किताबों में कहा गया है कि मौलाना की हत्या एक हिंदू ने की थी. मौलाना का परिवार कुछ ही समय बाद यूपी के आजमगढ़ के अहिरौला में चला गया. इसके बाद यहां दंगे भड़क गए थे. बाद में मंदिर को ताला लगा दिया गया. जहां आज मस्जिद है वहां हरिहर मंदिर हुआ करता था. बता दें, संभल में आजादी के बाद एक या दो बार नहीं बल्कि कुल 14 बार दंगे हुए. पहले साल 1956, फिर 1959, और 1966 में यहां हिन्दू मुस्लिम विवाद देखने को मिला. हालांकि तब चीजें इतनी ज्यादा खराब नहीं हुई. इसके बाद 1976 और 1978 में दो बड़े दंगे हुए. इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई. फिर दो साल बाद 1980 में यहां फिर हिंसा भड़क गई थी, जिसमें 14 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। 1992 बाबरी मस्जिद विधवंस के दौरान भी संभल में हिंसक घटनाएं देखने को मिली. लोगों का कहना है कि मौत के डर से यहां पूजा बंद थी, अगर भजन-कीर्तन करते तो वो लोग जान से मार डालते. उनका कहना है कि पहले यहां भजन और कीर्तन होता था. तीस सालों से बंद मंदिर में हनुमान मंदिर और शिवलिंग मिली है. पुलिस ने इस मंदिर को अपने सामने खुलवाया तो लोग हैरान रह गए. साफ-सफाई के दौरान हनुमान और भगवान शिव की शिवलिंग मिली है.

आखिर क्या हुआ था 46 साल पहले?

29 मार्च 1978 को याद करते ही संभल का हर इंसान सहम जाता है. आरोप है कि डिग्री कॉलेज में सदस्यता न मिलने पर मंजर शफी ने खौफनाक साजिश रची और साथियों संग मिलकर जिले को दंगे की आग में झोंक दिया. 10-12 हिंदुओं को जान गंवानी पड़ी. दो माह तक जिले में कर्फ्यू लगा रहा. 169 केस दर्ज हुए. बाद में खुफिया विभाग ने दंग पर एक गोपनीय रिपोर्ट तैयार की. इस रिपोर्ट के अनुसार साल 1978 में संभल नगरपालिका कार्यालय के पास महात्मा गांधी मेमोरियल डिग्री कॉलेज था. उसके संविधान के अनुसार प्रबंध समिति 10 हजार रुपये दान लेकर संस्था का आजीवन सदस्य बना सकती थी. मंजर शफी कॉलेज प्रबंध समिति में आजीवन सदस्य बनना चाहते थे. इस बीच ट्रक यूनियन की तरफ से कॉलेज को 10 हजार का रुपये का चेक दिया गया. इस पर मंजर शफी के साइन थे. शफी के दावे पर ट्रक यूनियन के पदाधिकारियों ने ये लिखकर दे दिया कि उनकी ओर से किसी को इसके लिए अधिकृत नहीं किया गया है. इस पर कॉलेज की प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष (जो उस समय एसडीएम के पद भी जिले में तैनात थे) ने शफी को सदस्य नहीं बनाया. इसके बाद आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ. 25 मार्च को होली के समय दो स्थानों पर दोनों संप्रदायों में तनाव फैल गया. एक होली जलने के स्थान पर खोखा बना लिया गया तो दूसरी जगह चबूतरा बना लिया गया. फिर किसी तरह बातचीत कर मामला संभला. फिर 28 मार्च को कॉलेज में स्टूडेंट्स को उपाधि दी जानी थी. उसी दिन कुछ मुस्लिम छात्राएं प्राचार्य से मिलीं और उपाधियों को आपत्तिजनक बताया. मामला बढ़ा तो फिर 29 मार्च को घेराव हुआ और इसमें अराजक तत्व शामिल हो गए. आरोप है कि मंजर शफी भी पहुंचे. अचानक दुकानें बंद कराई जाने लगीं. अफवाह फैली कि मंजर शफी को मार दिया गया है. मस्जिद तोड़ी जा रही है और फिर दंगा फैल गया. दंगे के कारण इस मुस्लिम बाहुल्य इलाके से हिंदू परिवार पलायन करने लगे. औने-पौने दामों में मकान बेचने लगे. अभी संभल के डीएम डॉ. राजेंद्र पेन्सिया ने बताया कि इस इलाके में बिजली चोरी की घटनाएं बहुत सारी हो रही थीं. इस इलाके में लोग घुसते नहीं थे. जब हम यहां पर आए तो हमें यहां एक मंदिर मिला. इसे हम साफ करवा रहे हैं. यहां पर एक कुआं भी मिला है, जिसके ऊपर रैंप बनाया गया था. किसी ने हमें बताया कि रैंप के नीचे कुआं है, तो हमने उसे हटाया. इसके बाद हमें नीचे कुआं मिला. पूरे संभल में मिस्क्ड आबादी है, लेकिन यहां पर केवल मुस्लिम आबादी है. हम मंदिर की सफाई करवा रहे हैं. यह जिस समाज का मंदिर है, उसे हम सौंपेंगे. वह जैसा इसका इस्तेमाल करना चाहते हैं, वैसा कर सकते हैं. कब्जा करने वाले लोगों को भूमाफिया के रूप में चिह्नित किया जाएगा. सपा के सांसद और विधायक की वर्चस्व की जंग में 4 लोग भेंट चढ़े हैं. कांग्रेस और सपा में इस समय तुष्टिकरण की राजनीति की होड़ लगी हुई है. लेकिन उन्हें कौन बताएं कि वहां 22 कुएं पाट दिए गए, खुदाई में मूर्तियों का मिलने से पता चलता है कि वहां क्या अत्याचार हुआ होगा? वहां का दर्दनाक दृष्य रहा होगा। संभल के खग्गू सराय स्थित प्राचीन शिव मंदिर भले सुरक्षित रहा, लेकिन दूसरे समुदाय के कई लोगों ने मंदिर के परिसर में कब्जा कर लिया था। एक व्यक्ति ने मंदिर परिसर में बैठक बना ली थी। दूसरे व्यक्ति ने दरवाजा खोल दिया था। इसी तरह कई मकानों के छज्जे भी मंदिर परिसर में निकाल लिए गए थे। तालाबंद मंदिर पूरी तरह अतिक्रमण से घिरा था। लेकिन पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों की निगरानी में पालिका की टीम ने अतिक्रमण हटाया है। जो बैठक बना ली थी उसको तोड़ दिया है और दरवाजा बंद कर दिया है। इसी तरह जो छज्जे निकाले गए थे उन्हें भी तोड़ा गया है। मंदिर के आसपास हुए अतिक्रमण को भी हटाया गया है। पुरानी बाउंड्री जो जर्जर हो गई थी उसको भी तोड़ा गया है। कहा जा रहा है कि प्राचीन शिव मंदिर पर ताला लगा तो कब्जा करने वालों के हौसले बुलंद होते चले गए, इसलिए किसी ने छज्जा निकाल लिया तो किसी ने दरवाजा बना दिया। समय के साथ यह कब्जा और ज्यादा बढ़ सकता था। यह कब्जा शहर में अशांति का भी कारण बन सकता था। समय रहते पुलिस प्रशासन की ओर से यह पहल कर सभी विवादों को विराम दिया गया है। जामा मस्जिद पुरातत्व विभाग के संरक्षण में है। इस ऐतिहासिक इमारत में कुएं भी बने हैं। इसमें एक कुएं को खोलने की तैयारी है। इसके लिए पालिका पहल करेगी। जिसके बाद मुक्त किया जा सकेगा। बताया जाता है कि इस कुएं को वर्षों पहले पाट दिया गया था। अब इसको खोलने की प्रक्रिया प्रशासन द्वारा शुरू की जाएगी। इसी तरह जामा मस्जिद के नजदीक स्थित कब्रिस्तान में भी कुआं होने की चर्चा है, जहां की सफाई कराई जाएगी। उसमें भी यदि कुआं होगा तो उसको भी संवारने के लिए पहल की जाएगी। पालिका के ईओ का कहना है कि पालिका क्षेत्र में जितने भी कुएं हैं सभी को खोला जाएगा।

भगवान हरिहर मंदिर

संभल में शाही जामा मस्जिद को लेकर विवाद है. दावा किया जा रहा है कि मस्जिद का निर्माण श्री हरिहर के प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर बनाया गया था. हिंदू पक्ष का दावा है कि प्राचीन हरिहर मंदिर को मुगलकाल के बाबर (डनहींस म्उचमतवत ठंइनत) ने नष्ट कराया था और यहां मस्जिद बनवाया था. बता दें कि वर्तमान में संभल का शाही जामा मस्जिद एक संरक्षित स्मारक है. बता दें, हरिहर भगवान विष्णु और भगवान शिव का एकीकरण है. दरअसल सनातन में हरि का अर्थ भगवान विष्णु से होता है और हर का अर्थ है शिव. यानि हरिहर भगवान विष्णु और भगवान शिव का ही स्वरूप है. इस स्वरूप में एक ही शरीर में भगवान शिव और विष्णु आधे-आधे रूप में दिखाई देते हैं. हरिहर रूप शिव और विष्णु का एकीकरण होने के बाद भी अलग-अलग गुणों के लिए पूजे जाते हैं. क्योंकि शिव जहां विनाश के देवता कहलाते हैं वहीं विष्णु सृष्टि के पालनहार हैं. इसका अर्थ यह सृष्टि का संहार औ? संरक्षण दोनों की आवश्यक है. भगवान शिव और भगवान विष्णु ने हरिहर अवतार लिया. पौराणिक कथा के अनुसार शैव और वैष्णव के बीच के विवाद को सुलझाने के लिए शिव-विष्णु को यह अवतार लेना पड़ा. दरअसल शिव की उपासना करने वाले शैव और विष्णु की उपासना करने वाले वैष्णव कहलाते हैं. ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास बताते हैं कि, पौराणिक कथा के अनुसार एक बार शैव और वैष्णव के बीच इस बात को लेकर विवाद छिड़ गया कि भगवान शिव और भगवान विष्णु में श्रेष्ठ कौन हैं. दोनों ही अपने-अपने ईष्ट को श्रेष्ठ बताने लगे. तब विवाद को सुलझाने के लिए सभी शिव के पास पहुंचे. भगवान ने कहा कि इस प्रकार का विवाद नहीं होना चाहिए और शैव-वैष्णव के बीच के इस विवाद को सुलझाने उन्होंने हरिहर अवतार लिया. इस अवतार में आधे शरीर में भगवान शिव और आधे में विष्णुजी थे. इसके बाद भक्तों ने भी यह स्वीकार किया कि हरि और हर को लेकर विवाद नहीं करना चाहिए, क्योंकि दोनों ही महाशक्ति है.

जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर विवाद

संभल में जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर का विवाद सदियों पुराना है। इतिहास में उल्लेख है कि मुगल काल में बाबर के सेनापति ने श्री हरिहर मंदिर को आंशिक रूप से ध्वस्त कराया था और फिर उस पर कब्जा करके मस्जिद के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था। वर्तमान में यह मस्जिद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) के अधीन है। इसी वर्ष प्रकाशित मंडलीय गजेटियर में बताया गया कि अबुल फजल द्वारा रचित आइन-ए-अकबरी में संभल में भगवान विष्णु के प्रसिद्ध मंदिर का उल्लेख है। संभल में पुराने शहर के मध्य में स्थित विशाल टीले (कोट अर्थात किला) पर भगवान विष्णु का प्रसिद्ध मंदिर होने का प्रमाण है। यहीं हरिहर मंदिर था। एचआर नेविल ने मुरादाबाद गजेटियर (1911) में लिखा है कि मंदिर अब अस्तित्व में नहीं है। इसका स्थान एक मस्जिद ने ले लिया है। इसमें महत्वपूर्ण अभिलेख हैं, जिसके अनुसार मस्जिद का निर्माण हदू बेग ने बाबर के आदेश पर कराया था। हालांकि, मस्जिद बाबर के समय से पूर्व की प्रतीत होती है। मस्जिद के पश्चिमी छोर पर स्थित ढलानदार विशाल बुर्ज जौनपुर की इमारतों का स्मरण कराते हैं। गजेटियर के मुताबिक, मस्जिद के दक्षिणी प्रखंड में मौजूद अभिलेख के अनुसार, रुस्तम खान दखिनी ने 1657 ई. में मस्जिद की मरम्मत करवाई। ऐसा ही अन्य अभिलेख उत्तरी प्रखंड में सैयद कुतुब (1626) के बारे में है। दो अभिलेख 1845 ई. के लगभग मस्जिद की मरम्मत का जिक्र करते हैं।

मुंबई में हॉलीवुड, बॉलीवुड की ओर से कुम्भ मेला की तैयारियां जोरों से

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हॉलीवुड प्रोड्यूसर रैन मोर, गायक उदित नारायण, दीपक पाराशर की उपस्थिति में लाइफ आर्ट कुंभ मेला २०२५ की तैयारी मुंबई में जोरों से शुरू है।

बता दें कि कुंभ मेला 2025 अगले साल 13 जनवरी से २६ फरवरी तक प्रयागराज में संपन्न होगा। हॉलीवुड के जाने माने प्रोड्यूसर और ऑर्गेनाइजर रैन मोर पिछले 30 साल से इंडिया में बहुत कुछ कर रहे हैं। हॉलीवुड निर्माता रैन मोर और FWICE के अध्यक्ष बी एन तिवारी ने महाकुंभ 2025 में लाइफआर्ट विलेज की घोषणा की है। इस लाईफ आर्ट विलेज की और ज्यादा जानकारी आपको www.lifeart.in पर मिल सकती है। बुकिंग इस वेबसाइट के द्वारा कराई जा सकती है।

मुम्बई में इसकी आधिकारिक घोषणा के लिए रखी गई प्रेस कांफ्रेंस में हॉलीवुड प्रोड्यूसर रैन मोर, फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एंप्लायज (एफ डब्ल्यू आई सी ई) के अध्यक्ष बीएन तिवारी, विशिष्ट अतिथि उदित नारायण, दीपक पराशर, अशोक पंडित, सोमा घोष, अशोक दुबे, गंगेश्वर लाल श्रीवास्तव (संजू), सुंदरी ठाकुर ,मुकेश मोदी इत्यादि मौजूद रहे। सबसे पहले यहां तबला वादक जाकिर हुसैन की आत्मा की शांति के लिए मौन रखा गया।

हॉलीवुड फिल्म मेकर रैन मोर के काम की थोड़ी झलक ऑडियो वीडियो के रूप में दिखाई गई, साथ ही कुंभ मेले की झलकियां भी दर्शाई गईं।

इस अवसर पर सोमा घोष ने भक्ति गीत गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उदित नारायण ने भी यहां अपनी गायकी से भक्ति और देशभक्ति का एहसास जगा दिया। उन्होंने कहा कि कुंभ मेला हर 12 साल में एक बार मनाया जाता है, इस बार अगले साल 2025 में यह भव्य रूप से मनाया जाने वाला है। कितना खूबसूरत देश है हमारा भारतवर्ष, यहां की संस्कृति, रीति रिवाज, परंपरा, विरासत सब अद्भुत है। सरकार द्वारा फिल्म जगत, कलाकारों को काफी सहयोग मिल रहा है। कुंभ मेला के सेक्टर 10 में लाइफ आर्ट को 12 एकड़ की जगह मिली है। अशोक पंडित ने कहा कि उदित नारायण की आवाज भारत की धरोहर है। दुनिया इनके गले की मिठास सुनने के लिए खड़ी हो जाती है। लाखों करोड़ों की भीड़ कुंभ मेला में जाती है। दीपक पराशर ने भी यहां सबसे पहले अपने करीबी दोस्त रहे जाकिर हुसैन को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि 12 साल पहले मैं कुंभ मेला में गया था। फेडरेशन के पदाधिकारी अशोक दुबे ने कहा कि फेडरेशन लाइफ आर्ट के साथ है। कुंभ मेला में 300 कमरे बनाए जा रहे हैं, काफी वर्कर्स वहां काम कर रहे हैं। सुविधा की वजह से गंगा स्नान करने के लिए भीड़ वाली जगह पे नहीं जाना होगा। ध्यान करने की भी एक खास जगह है। फेडरेशन के अध्यक्ष बीएन तिवारी ने कहा कि कुंभ मेला में नहाते नहाते आपके सारे काम हो जाएंगे। यहां योगा भी सिखाया जाएगा।

108 कुण्डीय श्री राजऐश्वर्य श्री महायज्ञ हेतु श्रद्धेय शंकराचार्य जी ने भगवान श्री सिद्धिविनायक गणपति बप्पा को किया आमंत्रित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री शंकराचार्य अध्यात्म विद्या सेवा संस्थान के तत्वावधान में गुरुवार दिनांक 20 से 22 दिसंबर 2024 को 108 कुण्डीय श्री राजऐश्वर्य श्री महायज्ञ का भव्य आयोजन विष्णु हनुमान ग्राउंड, बांगुर नगर, गोरेगांव (पश्चिम) में होने जा रहा है। इस पवित्र महायज्ञ का उद्देश्य विश्व कल्याण, राष्ट्र की उन्नति और सनातन धर्म की उन्नति हेतु वैदिक ऊर्जा का जागरण करना है। महायज्ञ के आयोजन से पूर्व द्वीपीठाधीश्वर श्रद्धेय शंकराचार्य स्वामी प्रज्ञानानंद सरस्वती जी महाराज ने भगवान श्री गणपति बप्पा को आमंत्रित करने के लिए श्री सिद्धिविनायक मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की। इस अवसर पर श्रद्धालुओं का उत्साह और भक्ति भाव देखते ही बन रहा था। भगवान गणपति को महायज्ञ में आमंत्रित करने हेतु श्रद्धेय शंकराचार्य जी के साथ ब्रह्मर्षि योगीराज श्री भारत भूषण भारतेंदु जी महाराज आध्यात्मिक प्रकोष्ठ योग प्रमुख महाराष्ट्र प्रदेश के नेतृत्व में सनातनी जनसमूह जयघोष के साथ श्री सिद्धिविनायक मंदिर तक भव्य शोभायात्रा निकाली। मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने ़गणपति बप्पा मोरया़ के नारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मंदिर के प्रवेश द्वार पर श्रद्धेय शंकराचार्य जी और उनके साथ उपस्थित वैदिक विद्वानों का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी जी ने वैदिक मंत्रोच्चारण और विशेष पूजन के माध्यम से भगवान गणपति बप्पा को महायज्ञ में पधारने का निमंत्रण दिया। इस ऐतिहासिक क्षण ने उपस्थित भक्तों को अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव प्रदान किया। सुरक्षा और व्यवस्थापन के लिए कुशल व्यवस्था की गई थी। श्री अर्पित तिवारी, स्वामी विट्ठलानंद जी, और सनातनी वैदिक आचार्य समूह ने आयोजन के हर चरण में सराहनीय योगदान दिया। साथ ही आचार्य प्रशांत तिवारी, सुशील अग्रवाल, जितेंद्र दुबे, और श्री निवास शेट्टी जैसे कर्मठ कार्यकताओं ने अपनी सेवा और समर्पण से आयोजन को सफल बनाने हेतु उत्साहित हैं।

सोनू सूद ने बेबी इनारा के इलाज के लिए ऑनलाइन फंडरेज़िंग कैंपेन का समर्थन किया

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉफी (एसएमए) से पीड़ित मुंबई की रहने वाली बेबी इनारा के लिए चलाए जा रहे इम्पैक्ट गुरु ऑनलाइन फंडरेज़िंग कैंपेन का समर्थन किया। उन्होंने एक वीडियो संदेश में लोगों से स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉफी के इलाज के लिए फंड जुटाने की अपील की ताकि उनकी जान बचाई जा सके। सोनू सूद ने अपने वीडियो में बताया कि इनारा को जीवनरक्षक इंजेक्शन की आवश्यकता है जिसकी लागत 16 करोड़ रुपये है, जिसमें से 2 करोड़ रुपये पहले ही जुटाए जा चुके हैं। उन्होंने इनारा और उनके माता-पिता की प्रामाणिकता पर सवाल उठाने वाली निराधार अफवाहों का खंडन किया और इस बात पर जोर दिया कि इनारा का मामला पूरी तरह से वास्तविक है। सोनू ने लोगों से अपील की कि वे ऐसी गलत जानकारी पर विश्वास न करें और न ही इसे फैलाएं, जो इनारा की जान को खतरे में डाल सकती है। एसएमए मामलों में पहले की सफल फंडरेज़िंग का उदाहरण देते हुए, उन्होंने इनारा को जीवन का एक नया मौका देने के लिए सामूहिक प्रयास करने की बात कही। इनारा के माता-पिता नौफिल काजी और निखत खान ने कहा, हम सोनू सूद सर के आभारी हैं कि उन्होंने बेबी इनारा के एसएमए के इलाज के लिए फंड जुटाने के कैंपेन का समर्थन किया और साथ ही बेबुनियाद गलत धारणाओं का खंडन भी किया। सत्यापित अस्पताल के रिकॉर्ड स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि इनारा को 16 से 19 अक्टूबर 2024 के बीच पीडी हिंदुजा अस्पताल में भर्ती कराया गया था जो इस मामले पर 18 अक्टूबर को आए कोर्ट के आदेश के समय से मेल खाता है। एफआईआर में लगाए गए आरोप न केवल झूठे हैं, बल्कि न्यायिक प्रक्रियाओं का खुला दुरुपयोग हैं, जो हमारी बच्ची इनारा के जीवनरक्षक प्रयासों को गुमराह और बाधित करने के उद्देश्य से किए गए हैं। इम्पैक्ट गुरु के सह-संस्थापक और सीईओ पियूष जैन ने कहा, मैं इस कठिन समय में बेबी इनारा और उनके परिवार के लिए सोनू सूद जी के अटूट समर्थन के लिए और इम्पैक्ट गुरु के मिशन पर उनके भरोसे के लिए दिल से धन्यवाद करता हूं, जो इनारा जैसी एसएमए से पीड़ित बच्चों के लिए जीवनरक्षक उपचार संभव बनाता है। हाल ही में इम्पैक्ट गुरु पर बेबी इनारा के फंडरेज़िंग कैंपेन के खिलाफ लगाए गए आरोपों ने अनावश्यक भ्रम और चिंता पैदा की है और उनकी जीवित रहने की संभावना को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। हमें कानून की प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है और उम्मीद है कि जांच इस मामले में सही तथ्यों को सामने लाएगी। हम आम जनता से अपील करते हैं कि वे इनारा को उनके अत्यंत आवश्यक इलाज तक पहुंचने में मदद करना जारी रखें।

फेडएक्स ने वन-स्टॉप शॉप लॉन्च कर लॉजिस्टिक्स अनुभव को बेहतर बनाया

मुंबई। फेडएक्स कॉर्प की सब्सिडिएरी और दुनिया की सबसे बड़ी एक्सप्रेस ट्रांसपोर्टेशन कंपनियों में से एक, फेडएक्स ने फेडएक्स वन स्टॉप शॉप का शुभारंभ किया है। यह एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो शिपिंग और फ्रेट फॉर्वडिंग सर्विसेज दोनों तक पहुंच प्रदान करता है। इससे व्यवसायियों के लिए दुनिया भर में कहीं भी सामान भेजना बेहद आसान हो जाता है। फेडएक्स वन स्टॉप शॉप ऑर्डर मैनेजमेंट, बुकिंग और ट्रैक एंड ट्रेस को एक ही सिस्टम में लाता है, जिससे व्यवसायियों को शिपमेंट के बारे काफी विजिबिलिटी और नियंत्रण मिलता है। यह प्लेटफॉर्म फेडएक्स में संपर्क के सिंगल प्वाइंट के जरिए सुव्यवस्थित संचालन की सुविधा देता है, जिससे कई फ्रेट फॉरवर्डर्स को मैनेज करने की परेशानियां समाप्त हो जाती हैं। इसके अलावा, यह व्यवसायियों को अपने पिछले शिपमेंट की रिपॉजिटरी मेंटेन रखने की सहूलियत देता है, जिससे अधिक कुशल और पारदर्शी लॉजिस्टिक्स प्रक्रिया की सुविधा मिलती है। फेडएक्स के मिडिल ईस्ट इंडिया सबकॉन्टिनेंट और अफ्रीका के मार्केटिंग और एयर नेटवर्क के वाइस प्रेसिडेंट नितिन नवनीत टाटीवाला ने कहा, फेडएक्स वन स्टॉप शॉप हमारे डिजिटल तरीके से चलने वाले कारोबार में बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसे हमारे व्यापक परिवहन नेटवर्क द्वारा संचालित किया जाता है। भारत में विकसित, यह सॉल्यूशन पहले से ही पायलट प्रोजेक्ट के तहत फेडएक्स शिपिंग और लॉजिस्टिक्स सेवाओं में शिपमेंट बुक करने और उसे मैनेज करने की सुविधा दे रहा है।

पत्रकार राजू एस गोयल का जन्मदिन मनाया गया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड में पत्रकार राजू एस गोयल, तथा अनमोल समाचार पत्र के संपादक व राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा ठाणे मीरा भायंदर के अध्यक्ष, के जन्मदिन के शुभ अवसर पर केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। यह कार्यक्रम गत 16 दिसंबर सोमवार को शाम 7:30 से शॉप नंबर एक, होली कंपलेक्स दीपक हॉस्पिटल के पास मीरा रोड में रखा गया था। इस मौके पर राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित होकर जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

बिजली कटौती को लेकर महेश गायकवाड़ पहुंचे विद्युत कार्यालय

विद्युत खंडित समस्या आठ दिनों में होगी सुधार -अधिकारी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के विभिन्न इलाकों में पिछले छह महीने से बिजली कटौती हो रही है। ऐसे में छात्र, बीमार मरीज और बच्चे इससे प्रभावित हो रहे हैं। बिजली आपूर्ति बार-बार क्यो खंड़ित होती है? पूर्व नगरसेवक महेश गायकवाड़ ने आज बिजली वितरण कंपनी के कार्यालय में जवाब मांगने के लिए धावा बोल दिया। उन्होंने कार्यकारी अभियंता चंद्रमणि मिश्रा को निवेदन दिया. साथ ही उन्होंने जलती हुई लालटेन देने की कोशिश की. इंजीनियर मिश्रा ने यह लालटेन लेने से इनकार कर दिया.

कल्याण पूर्व में बिजली आपूर्ति बाधित है. कल्याण पश्चिम, डोंबिवली में बिजली कटौती की समस्या नहीं है। कल्याण पश्चिम और डोंबिवली की तरह, कल्याण पूर्व में भी बिजली आपूर्ति नियमित नही है । विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर नागरिक विद्युत वितरण कार्यालय में फोन कर कारण पूछते हैं। वहां के कर्मचारी नागरिकों के कॉल का जवाब नहीं देते हैं। और कर्मचारी उचित जवाब नहीं दे रहे हैं. इसलिए पूर्व नगरसेवक गायकवाड ने इंजीनियर मिश्रा से गुस्से में सवाल किया कि नागरिकों की समस्याओं के लिए कौन जिम्मेदार है. यदि बिजली आपूर्ति बंद हो जाती है, तो इसका असर पानी की आपूर्ति पर पड़ता है। इसका सबसे ज्यादा असर महिलाओं पर पड़ता है. महिलाएं घर का काम नहीं कर सकतीं.मरीजों को परेशानी होती है. छात्र पढ़ाई नहीं कर पाते. इसके अलावा कल्याण पूर्व में सड़क के बीचो-बीच बिजली के बड़े-बड़े खंभे लगे हुए हैं. उसके विकल्प के तौर पर बिजली वितरण कंपनी ने अंबरनाथ की तर्ज पर मोनोपोल लगाने की मांग की है। अगले आठ दिनों में बिजली वितरण कंपनी द्वारा इन विभिन्न मांगों पर विचार नहीं किया गया तो गायकवाड़ विद्युत वितरण कार्यालय के सामने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है. गायकवाड़ ने इंजीनियर मिश्रा को जलती हुई लालटेन देने की कोशिश की. मिश्रा ने उस लालटेन को लेने से इंकार कर दिया. लेकिन मिश्रा ने गायकवाड़ को आश्वासन दिया है कि अगले आठ दिनों में सुधार दिखेगा.

कमलादेवी कला,वाणिज्य, विज्ञान महाविद्यालय के माध्यम से आविष्कार समारोह

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कमलादेवी एज्युकेशन ट्रस्ट संचालित कमलादेवी कला,वाणिज्य, विज्ञान महाविद्यालय के माध्यम से आविष्कार समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन और पोस्टर मेकिंग कॉम्पिटीशन का आयोजन किया गया था। विविध महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं ने इस समारोह में भारी उत्साह से सहभाग लिया। पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन में प्रथम स्थान पर अंशिका चव्हाण , दूसरे स्थान पर गौरी मिश्रा और तीसरे स्थान पर वैष्णवी पिल्लई इन छात्राओं ने विजेता के तौर पर स्थान प्राप्त किया। साथ ही साथ पोस्टर मेकिंग कॉम्पिटीशन में प्रथम स्थान पर मधुरा सोनवाने , द्वितीय स्थान पर संचित चौरसिया और तृतीय स्थान पर जाह्नवी उपाध्याय इन्होंने विजेताओं के तौर पर स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के व्यवस्थापकीय सदस्य , महाविद्यालय की प्राचार्या , शिक्षक गण अन्य कर्मचारियों द्वारा समारोह के मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया।

भिवंडी मनपा ने अवैध भवन निर्माणकर्ता के खिलाफ एमआरटीपी के तहत मामला दर्ज कराया

भिवंडी। भिवंडी चौथे निजामपुर इलाके में गैरकानूनी तरीके से अवैध भवन निर्माण करने वाले पर महानगरपालिका प्रभाग क्रमांक १ के सहायक आयुक्त राजेंद्र वामन वर्लीकर ने भिवंडी निजामपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।शिकायत के अनुसार, मकान नंबर १९५/० निजामपुरा चौथा, सि.स.न. ४२८९ सर्वे नंबर १८/४४ के मालिक आशिफ अहमद अली खान बिना मनपा के किसी भी प्रकर की अनुमति ना लेते हुए अपनी पुराने घर को गिराकर नई आरसीसी इमारत का निर्माण शुरू किया था।

महाराष्ट्र प्रदेशिक व नगर रचना अधिनियम १९६६ (टफ्ळढ) के तहत इमारत निर्माण कार्य के लिए पालिका से अनुमति लेना अनिवार्य होता है। लेकिन नियमों को ताक पर रखते हुए यह निर्माण कार्य तेजी से हो रहा था।सहायक आयुक्त राजेंद्र वर्लीकर ने मामले की जांच करवाई और विभागीय अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी। रिपोर्ट के आधार पर, उन्होंने अनधिकृत निर्माण को सात दिनों के भीतर हटाने का निर्देश दिया। लेकिन मकान मालिक ने मनपा के आदेश की अनदेखी करते हुए निर्माण कार्य जारी रखा। मनपा के निर्देशों का उल्लंघन करने के बाद सहायक आयुक्त ने निजामपुरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने महाराष्ट्र प्रदेशिक व नगर रचना अधिनियम की धारा ५२ के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक गीते को सौंपी गई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि ऐसे अनधिकृत निमार्णों से न केवल क्षेत्र का स्वरूप बिगड़ता है, बल्कि यह सुरक्षा के लिहाज से भी खतरा पैदा करता है। लोगों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। मनपा और पुलिस के संयुक्त प्रयास से इस अवैध निर्माण पर कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है। इस मामले पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

वीपीपीएल द्वारा वाढवन के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए कौशल विकास कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन

मुंबई (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। भारत के 13वें प्रमुख बंदरगाह, वाढवन पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (वीपीपीएल) द्वारा सोमवार 16 दिसंबर, 2024 को वाढवन पोर्ट स्किलिंग प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना है। इस कार्यक्रम की शुरूआत जेएनपीए (वीपीपीएल में प्रमुख हितधारकों में से एक) और शिपिंग महानिदेशालय (डीजी शिपिंग) के बीच चयनित समुद्री प्रशिक्षण संस्थानों (एमटीआई) के माध्यम से वाढवन क्षेत्र में स्थानीय लोगों और परियोजना प्रभावित लोगों को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के साथ हुई।

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य वाढवन बंदरगाह क्षेत्र के स्थानीय युवकों को जीपी रेटिंग और मेरीटाइम कैटरिंग प्रमाण पत्र जैसी मान्यता प्राप्त मेरीटाइम योग्यता प्रदान करके सशक्त बनाना है, जिससे वे सुमुद्री क्षेत्र में अपना करियर बना सकें। जेएनपीए के सीएसआर फंडिंग के माध्यम से समर्थित, प्रति उम्मीदवार ?2-3 लाख की अनुमानित लागत के साथ, इस पहल में प्रशिक्षण शुल्क, निवास व्यवस्था शामिल होंगे। डीजी शिपिंग और मेरीटाइम ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमटीआई) के साथ सहयोग करते हुए, यह कार्यक्रम भारत के बढ़ते समुद्री कार्यबल में योगदान करते हुए समुद्री क्षेत्र में स्थायी कैरियर मार्ग बनाने के लिए जहाज पर अनुभव सहित उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण को सुनिश्चित करता है। वीपीपीएल और वाढवन के डाई मेकर्स एसोसिएशन के बीच एक अन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य डाई-मेकर्स एसोसिएशन को उनके विज्ञापन और प्रचार सामग्री के लिए प्रमुख प्रदर्शनी स्थल के आवंटन सहित विभिन्न माध्यमों से विशेष ब्रांडिंग अवसर प्रदान करना है। ये अवसर उन प्रमुख कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों में उपलब्ध होंगे, जहाँ वीपीपीएल भाग लेता है, जिससे उद्योग के भीतर एसोसिएशन के लिए अधिक दृश्यता और जुड़ाव सुनिश्चित होता है। डाई मेकर्स की सहायता के लिए जेएनपीए ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ मिलकर रियायती ब्याज दर और आकर्षक ब्याज अनुदान योजना के साथ क्लस्टर-विशिष्ट योजना प्रस्तावित की है, ताकि कम लागत पर वित्तपोषण प्रदान किया जा सके, जिससे कारीगर बेहतर मशीनरी में निवेश कर सकें और अपने व्यवसाय को बढ़ा सकें। इसके अतिरिक्त, उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए ऑटोमेशन, एआई और ऑटोकैड और सीएनसी मशीनों जैसे उन्नत उपकरणों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रौद्योगिकी उन्नयन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। ब्रांडिंग और सीधे बाजार कनेक्शन के लिए प्लेटफॉर्म बनाकर, बिचौलियों पर निर्भरता कम करके और वैश्विक अवसरों को अनलॉक करके बाजार तक पहुँच में सुधार करने के प्रयास भी किए जाएंगे। सामाजिक सुरक्षा उपायों में शिक्षा कार्यक्रम, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ और व्यापक बीमा योजनाएँ शामिल हैं - दुर्घटना, अवधि और स्वास्थ्य कवरेज - जिसमें ट्रिपल बीमा लाभ योजना के तहत जेएनपीए द्वारा पूरी तरह से प्रीमियम वहन किया जायेगा। इसके अलावा, निर्बाध संचालन सुनिश्चित करने के लिए बेहतर सड़क संपर्क और निरंतर बिजली आपूर्ति के साथ बुनियादी ढाँचे के विकास को प्राथमिकता दी जाएगी। इस कार्यक्रम के तहत पहला कार्यक्रम कस्टम डॉक्यूमेंटेशन के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम शुरू की गई है, जो स्थानीय युवाओं में नौकरी के लिए तत्परता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम के लिए पत्र बृहन्मुंबई कस्टम ब्रोकर्स एसोसिएशन(बीसीबीए) को दिया गया है। योग्य छात्रों को आगे इंटर्नशिप के अवसर मिलेंगे। इस उपक्रम के बारे में बोलते हुए वीपीपीएल के अध्यक्ष व व्यवस्थापकीय संचालक तथा जेएनपीए के अध्यक्ष उन्मेश शरद वाघ, आईआरएस ने कहा, ?महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर और वाढवन पोर्ट स्किलिंग प्रोग्राम की शुरूआत समावेशी विकास और सामुदायिक सशक्तिकरण के हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने में एक बहुत बड़ा कदम है। ये कार्यक्रम युवाओं को उनकी जरूरतों के अनुसार कौशल प्रदान करने से लेकर डाई मेकर्स को ब्रांडिंग, वित्त और उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करने तक, वाढवन क्षेत्र में दीर्घकालिक रोजगार की संभावनाएँ स्थापित करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए हमारे समर्पण को दशार्ते हैं। एक ऐसा भविष्य बनाना जहाँ सभी के लिए अवसर उपलब्ध हों और विकास साझा हो, ऐसा हमारा अंतिम लक्ष्य है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह पहल वाढवन के युवाओं तक प्रभावी रूप से पहुंचे, जेएनपीए ने पहले माननीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री की उपस्थिति में एक समर्पित व्हाट्सएप चैटबॉट लॉन्च किया। यह इंटरैक्टिव साधन वाढवन पोर्ट स्किलिंग प्रोग्राम और वाढवन पोर्ट के बारे में अपडेट पर व्यापक जानकारी प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। 12 लाख रोजगार के अवसर पैदा करने की क्षमता के साथ , यह महत्वाकांक्षी परियोजना सामुदायिक विकास और आर्थिक उत्थान के लिए जेएनपीए की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। कौशल कार्यक्रम में 18 विविध पाठ्यक्रम शामिल हैं , जिसमें प्रतिभागियों के लिए प्रशिक्षण के अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों के लिए अपनी प्राथमिकताएँ दशार्ने के लिए अतिरिक्त विकल्प हैं। यह समावेशी दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि कार्यक्रम व्यापक जनसांख्यिकी की आकांक्षाओं और कैरियर लक्ष्यों को पूरा करता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रायोगिक मौखिकी परीक्षा में परीक्षक बनाने को लेकर भेदभाव का लगाया आरोप

मांगे न माने जाने पर मूल्यांकन के बहिष्कार की धमकी

शिक्षकों ने कुलपति व परीक्षा नियंत्रक को दिया ज्ञापन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित महाविद्यालय शिक्षक एशोसियेशन के शिक्षक नेताओं ने कुलपति व परीक्षा नियंत्रक को ज्ञापन दिया। प्रैक्टिकल एवं मौखिक परीक्षाओं में भेदभाव का आरोप लगाया। मांगे न माने जाने पर मूल्यांकन की बहिष्कार की धमकी दिए। बता दें कि उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित महाविद्यालय शिक्षक एशोसियेशन के अध्यक्ष डा. प्रभाकर सिंह, महामंत्री डॉ निलेश कुमार सिंह नीलू, पदाधिकारियों के साथ पूर्वांचल विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक डॉ विनोद कुमार सिंह से मिले और कहां की सेमेस्टर परीक्षा 2024-25 की प्रायोगिक एवं मौखिक परीक्षा में अनुदानित महाविद्यालय के शिक्षकों का नियुक्त किया गया है जो कभी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने नहीं आते हैं और अधिकांश सेवानिवृत हो गए हैं। इसके बावजूद केवल प्रायोगिक मौखिक परीक्षक के रूप में क्यों नामित किए जाते हैं जो गलत है उन्होंने कहा कि अधिसंख्य स्ववित्तपोषित शिक्षक जो मूल्यांकन भी करते हैं। इसके बावजूद उन्हें मौखिकी प्रायोगिक परीक्षा के रूप में नामित नहीं किया जाता है। इस तरह का भेदभाव शिक्षकों में आक्रोश पैदा करता है। यह विसंगति को दूर करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रैक्टिकल मौखिक परीक्षा में परीक्षक नामित को लेकर मनमानी किया जा रहा है। अगर स्ववित्तपोषित शिक्षकों को प्रायोगिक मौखकी परीक्षा में नामित नहीं किया गया तो इसके विरोध में शिक्षक संघ शिक्षकों के साथ मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार करेगा।

शिक्षकों ने कुलपति को इस संबंध में ज्ञापन देकर प्रायोगिक मौखिक परीक्षा में स्ववित्तपोषित शिक्षकों को परीक्षक नामित करने की मांग की है। इसके साथ 4 जनवरी 2025 से लेकर 10 जनवरी 2025 तक की शीतकालीन अवकाश घोषित किया गया है। उन्होंने मांग की की रविवार को भी विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाएं संचालित की जा रही है। ऐसे में यदि शीतकालीन अवकाश 4 जनवरी से लेकर 16 जनवरी तक किया जाना चाहिए, जो उचित होगा। इस अवसर पर डॉ अमित कुमार सिंह, डॉ.अरविंद कुमार यादव, डॉ.संजीव कुमार सिंह, डॉ संजय कुमार यादव, डॉ.आशा सिंह, डॉ किरण मौर्य, डॉ.सलीम खान मौजूद रहे।

शिविर में करीब 100 निसंतान दंपतियों को दिया गया निःशुल्क परामर्श

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज में पक्का पोखरा स्थित सूर्या हॉस्पिटल में निःशुल्क निसंतानता परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 100 निसंतान दंपतियों को निशुल्क परामर्श दिया गया और आधुनिक तकनीक के जरिए संतान प्राप्ति की सुविधाओं की जानकारी दी गई। इस मौके पर स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.रुचि मिश्रा ने बताया कि निसंतान होना अब कोई दुख की बात नहीं आप तकनीकी माध्यम से संतान का सुख ले सकते हैं।

जौनपुर स्थित शकुंतला आईवीएफ सेंटर की संचालक और वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शकुंतला यादव ने निसंतान महिलाओं और उनके जीवन साथी को आईवीएफ तकनीक की जानकारी दी और उससे संतान प्राप्ति की सुविधा के बारे में बताया। डॉ.शकुंतला यादव ने कहा कि देश की जानी मानी आईवीएफ कंपनी इंदिरा आईवीएफ के साथ मिलकर जौनपुर में शकुंतला आईवीएफ सेंटर संचालित किया जा रहा है। इसके जरिए जनपद और आस पास की निसंतान दंपतियों को लाभ पहुंचाना उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि शाहगंज क्षेत्र के लोगों को इस तकनीक के बारे में जागरूक करने के लिए यहां शिविर का आयोजन किया गया और लोगों को जानकारी दी गई।

विज्ञान प्रदर्शनी की हुई प्रशंसा

मड़ियाहूं, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्री चितरंजन कांवेंट स्कूल मड़ियाहूं में विज्ञान प्रदर्शनी के अवसर पर जामिया ग्रूप के चेयरमैन मौलाना अनवार अहमद कासमी साहब को स्कूल प्रबंधक दिलीप कुमार जैसवाल ने अंग वस्त्र एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। उक्त अवसर पर अनवार अहमद कासमी ने विज्ञान प्रदर्शनी में सम्मिलित सभी छात्रों एवं छात्राओं की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि यही बच्चे भविष्य में विज्ञान के क्षेत्र में देश का नाम रोशन करेंगे इन्हीं में कोई कलाम निकलेगा तो कोई आर्यभट्ट। प्रदर्शनी में रेन अलर्ट, फायर अलर्ट, हार्वेस्टिंग, पर्यावरण और सोलर सिस्टम जैसे आधुनिक विषयों पर बनाए गए विभिन्न अनोखे माडल को देखते हुए उन्होंने कहा कि अगर इन बच्चों का सही मार्गदर्शन और सही वसायल प्रदान किया जाए तो यह भविष्य में देश में हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन करेंगे साथ ही स्कूल परिवार व प्रबंधक तंत्र की बेहतर कार्य की सराहना की।

उक्त अवसर पर डायरेक्टर मदर आयशा चिल्ड्रेन अकेडमी मसीहुज्जमां खान, मोहम्मद आसिफ, डी एन पांडेय तथा स्कूल प्रबंधक दिलीप कुमार जैसवाल एवं समस्त स्कूल परिवार उपस्थित रहे।

जामिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन ने मौलाना अनवार कासमी का किया स्वागत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मदर आयशा चिल्ड्रेन एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्थित जामिया नगर चाचकपुर सिपाह जौनपुर में मौलाना अनवार अहमद कासमी को इस्लामिक वेलफेयर सोसायटी का निर्विरोध जनरल सेक्रेटरी,मशहूर शायर अंसार अहमद को निर्विरोध अध्यक्ष और डॉ.अबु अकरम कासमी साहब को निर्विरोध कोषाध्यक्ष चुनें जाने पर स्कूल परिवार द्वारा आज पुष्पगुच्छ पेश करके भव्य स्वागत किया गया। उक्त अवसर पर अबु उबैदा, डायरेक्टर मसीहुज्जमां खान, प्रिंसिपल दिनेश कुमार यादव, दाऊद अब्बासी, मोहम्मद आसिफ, राशिद कमाल, मौलाना शकील मजहरी, प्रियम गुप्ता, सलमान सर, हुस्न आरा, रोजी मैम, मधुलिका मैम, साबरीन मैम, आमिना मैम तथा अन्य स्कूल परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। और सभी ने निर्विरोध चुने गए जनों को बधाई एवं शुभकामनाएं पेश किया।

छात्रों को शिक्षा चुनौतियों के लिए तैयार करें शिक्षकः जयन्ती प्रसाद

- पांच दर्जन मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित
- डॉ.भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय में आयोजित हुआ कार्यक्रम

अमित तिवारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बाबा साहब डा भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय सिद्दीकपुर परिसर में करंजकला के पांच दर्जन मेधावी छात्र छात्रों को सम्मानित किया गया। उन्हें प्रतियोगी शिक्षा चुनौतियों के लिए, तैयार करने के लिए अभिभावकों और शिक्षकों को जोर दिया गया। बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर शिक्षा उन्नयन समिति की ओर से आयोजित मेधावी छात्र छात्राओं के सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि इंजीनियर जयन्ती प्रसाद ने कहा की शिक्षा जीवन का मूल अधिकार एवं हथियार है। बच्चों को जरूर पढ़ाये तभी वह लक्ष्य को पा सकेंगे। विशिष्ट अतिथि प्रेमचंद ने कहा कि अब एडवांस एजुकेशन का जमाना है। आधुनिक तकनीकी पर बहुत कुछ निर्भर हो चुका है। कंप्यूटर शिक्षा सबके लिए बेहद जरूरी है। अभिभावकों शिक्षको को चाहिए छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा के लिए विभिन्न चुनौतियों के अनुरूप तैयार करें। जिससे छात्रों का कैरियर सँवर सके। गांव में लोगों को झगड़े में नहीं पड़ना चाहिए। इस दौरान करंजकला के विभिन्न ग्राम पंचायतों से उन्होंने हाईस्कूल व इंटर पाच दर्जन छात्र छात्राओं को सम्मान पत्र शील्ड देकर सम्मानित किया। और उन्हे आनलाईन आफलाईन आधुनिक तकनीकी शिक्षा पर जोर दिया। अतिथियो को लोगो ने बुके, स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। अध्यक्षता कर रहे पूर्व प्रधानाध्यापक एव समिति के अध्यक्ष मोखनराम ने कहा कि शिक्षकों और छात्रों को चाहिए की निष्ठा के साथ पठन-पाठन का कार्य करें, नशा अंधविश्वास पाखंडवाद से दूर रहें। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व महामंत्री एवं प्रबंधक डॉ स्वतंत्र कुमार ने कहा कि गिरते हुए शिक्षा स्तर को ऊपर उठने की जरूरत है। इसके लिए माता-पिता को प्रथम गुरु बनना पड़ेगा। इस मौके पर मौलवी राम, विजय प्रताप, सियालाल, राजेश गौतम, रामराज गौतम, साहब लाल गौतम, गुड्डू गौतम, बाबूराम गौतम, प्रेमचंद, सुनील कुमार, दिलीप कुमार, जोगीराम मौर्य, किशोर कुमार मौजूद रहे। संचालन राजेश एवं अजय कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

सीएमओं की संस्तुति पर निजी अस्पताल हुआ सीज

विशाल सोनी, शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के शाहगंज कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत सुरिस गांव स्थित केडी मेमोरियल फार्मा क्लीनिक एण्ड मैटरनिटी सेंटर को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डा लक्ष्मी सिंह के आदेश पर चिकित्सा अधीक्षक डा रफीक अहमद फारुकी ने एक टीम बनाकर चिकित्सालय को सीज कराया है। बताया जाता है कि चिकित्सालय बिना रजिस्ट्रेशन व फर्जी डिग्री धारक व्यक्ति चला रहा था। तहसीलदार आशीष सिंह, चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर राकेश कुमार की टीम ने चिकित्सालय को सील कर दिया है। रिपोर्टर रियाजुल ने बताया कि पिछले शुक्रवार को एक दलित युवक अजीत की हत्या कर आरोपित इसी चिकित्सालय में शव छोड़ कर भागे थे। मृतक के पिता की शिकायत पर मामले की जांच की गयी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जांच में पाया कि हास्पिटल बगैर मानक के चलाया जा रहा है। फिलहाल सोमवार को तहसील प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने चिकित्सालय को सील कर दिया। इस दौरान एसआई संतोष शुक्ला, चीफ फार्मासिस्ट गिरीश चंद्र यादव, रमेश कुमार सहित तमाम सम्बन्धित विभाग के लोग मौजूद रहे।

फिक्र वो नजर पत्रिका के संपादक के देहांत पर हुई शोकसभा

- समाजसेवी साहित्यकार के निधन से लोग मर्माहत
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से रहा ताल्लुक
- सबरहद गांव निवासी थे संपादक मुहम्मद साबिर

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के सबरहद गांव निवासी समाजसेवी साहित्यकार मुहम्मद साबिर की मौत से क्षेत्र में शोक व्याप्त है। लोग घर पहुंच परिजनों को सांत्वना दे रहे हैं। वहीं ईडेन पब्लिक स्कूल प्रबंधक परवेज आलम भुट्टो के नेतृत्व में सबरहद स्थित घर पर एक शोक सभा आयोजित किया गया। मुहम्मद साबिर के पुत्र अहसन शाहनवाज की मौजूदगी में सभा आयोजित हुआ। लोगों ने दो मिनट का मौन रख मृतक आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गयी। वहीं भुट्टो ने साबिर के कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। कहा साबिर साहब सुसंस्कृति ज्ञान और बुद्धिमत्ता के प्रतीक थे। कहा पूरा परिवार क्षेत्र में बुद्धिमत्ता का परिचायक है। इन्हें अरबी व उर्दू साहित्य में शानदार पकड़ थी। साबिर सर सैयद अहमद इंटर कालेज के संस्थापक डा मोहम्मद ताहिर के छोटे भाई थे। देहांत के पूर्व तक अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से जुड़े रहे।

साबिर ने फिक्र वो नजर का सम्पादन कर ख्याति अर्जित कि थी। इस दौरान अहसन शाहनवाज, डा.नैयर आजम, मुशीर आजम, राशिद प्रधान, मो.शाकिब, शकिल अहमद, नदीम अहमद आदि मौजूद रहे।

मछलीशहर विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने पेयजल मुद्दे पर उठाए सवाल

कहा, जितना बड़ा बजट उतना बड़ा भ्रष्टाचार, प्यासे को पानी पिलाया नहीं, बाद में अमृत पिलाने से क्या फायदा

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मछलीशहर की विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने मंगलवार को विधानसभा सत्र के दौरान पेयजल संकट के मुद्दे पर सरकार को कटघरे में खड़ा किया। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से सवाल करते हुए उन्होंने कहा कि जनता को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है और सरकार उनकी समस्याओं का समाधान करने में असफल साबित हो रही है। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार जनता को पर्याप्त हैंडपंप और पेयजल उपलब्ध कराने की क्या योजना बना रही है। डॉ. रागिनी सोनकर ने सरकार के इस स्कीम पर सिर्फ 3.50 लाख करोड़ रुपये के बजट पर सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि जितना बड़ा बजट है। उतना ही बड़ा भ्रष्टाचार भी है। उन्होंने कहा कि ऱ्मंत्री अधिकारी की नहीं सुनते और अधिकारी की कॉन्ट्रेक्टर नहीं सुनते। इसके चलते योजनाओं का क्रियान्वयन सही तरीके से नहीं हो पा रहा है। उन्होंने पेयजल की समस्या का समाधान न होने पर सरकार की कार्यशैली पर तीखा प्रहार किया। विधायक ने कहा,कि प्यासे को पानी पिलाया नहीं, बाद में अमृत पिलाने से क्या फायदा। उनके इस बयान ने सरकार की पेयजल योजनाओं पर सवाल खड़े कर दिए। डॉ. रागिनी सोनकर ने अपने क्षेत्र में हैंडपंपों की कमी के साथ-साथ पूरे प्रदेश के जल संकट का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने जल जीवन मिशन

और अन्य पेयजल योजनाओं के कार्यान्वयन पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत कितने गांव में कार्य संपूर्ण हो चुके हैं कितने लोगों को शुद्ध पेय जल सरकार पहुंचा रही है अगर नहीं तो उसकी समय सीमा क्या है और कब तक पहुंच पाएगी। 2019 में केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनी थी तो उन्होंने लाल किले से खड़े होकर पूरे देश को जल जीवन मिशन से जोड़ दिया जाएगा। आज उत्तर प्रदेश विधानसभा की असेंबली में दिसंबर 2024 में मैंने प्रश्न खड़ा किया और उसका उत्तर विभाग के पास नहीं है और यह अपने आप में प्रत्यक्ष रूप से सरकार की सिर्फ जुमलेबाजी और झूठे वादे को दिखाता है। जिस समय मैं सदन में आई उस समय पूरे उत्तर प्रदेश का बजट 615000 करोड़ था और मात्र एक स्कीम का बजट 3,50,000 करोड़ का है। इसके बावजूद आज धरातल पर एक प्रतिशत भी काम नहीं हो पाया है यह बहुत शर्मनाक है। साथ ही सरकार की संवेदनहीनता को भी जताता है। मैं सरकार से मांग करतीं हूं कि जल संकट का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए,ताकि जनता को राहत मिल सके। विधायक के सवालों और आरोपों के जवाब में मंत्री के बयान ने यह स्पष्ट किया कि सरकार योजनाओं के कार्यान्वयन को लेकर सतर्क है। हालांकि, डॉ. रागिनी सोनकर ने कहा कि जनता को केवल वादों की नहीं, बल्कि वास्तविक समाधान की जरूरत है।

फार्मर रजिस्ट्री कार्य का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा विकासखण्ड बदलापुर के ग्राम पंचायत देनुआ के पंचायत भवन में चल रहे फार्मर रजिस्ट्री कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने तहसीलदार, लेखपाल, पंचायत सहायक सहित संबंधित समस्त को निर्देशित किया कि उक्त ग्राम के समस्त किसानों का फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से कर दिया जाये।

उन्होंने निर्देश दिया कि किसानों को फॉर्मर रजिस्ट्री के संबंध जागरूक करें। तहसीलदार बदलापुर को निर्देश दिया गया कि उक्त ग्राम पंचायत में चल रहे फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की स्थिति के सम्बन्ध में अवगत कराएं। इस दौरान ग्रामीणों से संवाद करते हुए उन्होंने 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए तथा पात्र व्यक्तियों के राशन कार्ड ऑनलाइन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कल भी कैंप लगाकर किसानों का ई केवाईसी कराया जाए तथा फार्मर रजिस्ट्री की जाए। इस अवसर पर तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अधिक से अधिक संख्या में लखनऊ पहुंचे ब्राह्मणः श्रीपति

ब्राह्मण महाकुंभ सम्मेलन को लेकर हुई सामूहिक बैठक

बक्सा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के परशुरामपुर में जिला संरक्षक अजय त्रिपाठी के आवास पर अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा रा.के राष्ट्रीय अध्यक्ष यूपी रत्न पं. राजेंद्र नाथ त्रिपाठी के निर्देश पर 22 दिसंबर 2024 को लखनऊ में होने जा रहे विराट ब्राह्मण महाकुंभ सम्मेलन को लेकर पदाधिकारियों संग एक बैठक का आयोजन किया गया बैठक का संचालन प्रदेश प्रवक्ता डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र प्राचार्य द्वारा किया गया जहां संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व ब्लाक प्रमुख पं. श्रीपति उपाध्याय ने उपस्थित ब्राह्मणों से अपील करते हुए अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सम्मेलन को सफल बनाने की बात कही। वहीं राष्ट्रीय सचिव पं. अवध नारायण तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया की लोगों में सम्मेलन को लेकर काफी उत्साह है पिछले वर्ष इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुए सम्मेलन में जौनपुर ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था और इस बार उससे अच्छी तैयारी है। तथा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित पाण्डेय ने अपने वक्तव्य में कहा की लगातार इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया का सहयोग मिल रहा है जिसके द्वारा कार्यक्रम का प्रचार प्रसार पूरे प्रदेश में ही नहीं कई राज्यों में चल रहा है और बड़े-बड़े धर्माचार्य एवं संत महात्मा प्रयागराज महाकुंभ के पहले लखनऊ के ए.पी.एस.ऐकेडमी सेनानी विहार, तेलीबाग, रायबरेली रोड लखनऊ में समय 11:00 बजे दिनांक 22 दिसंबर दिन रविवार 2024 को अन्य प्रदेशों से भी लोग पहुंच रहे हैं और यह महाकुंभ सम्मेलन राष्ट्रीय अध्यक्ष यूपी रत्न पं. राजेंद्र नाथ त्रिपाठी के मार्गदर्शन में ऐतिहासिक होगा। इस मौके पर पं. श्रीपति उपाध्याय, डॉ ज्ञान प्रकाश मिश्र, रमाशंकर उपाध्याय, रामकृष्ण उपाध्याय,पं. अवध नारायण तिवारी, मातापिर मिश्र, रविंद्र नाथ मिश्र, अजय त्रिपाठी प्रधानाचार्य, अमित पाण्डेय, अरविंद मिश्र, रोहित त्रिपाठी तथा सैकड़ो की संख्या में क्षेत्रीय जनता उपस्थित रही।

पेंशनरों की समस्याओं का होगा समाधानः डीएम

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्रेक्षागृह में पेंशनर्स दिवस का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में पेंशनर्स दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कोषाधिकारी उमाशंकर द्वारा सभी उपस्थित पेंशनर्स पदाधिकारियों, पेंशनर्स एवं कार्यालयाध्यक्षों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कोषाधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी द्वारा 105 वर्ष आयु के पेंशनर गोपीनाथ पाल जो पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हुए है को माला पहनाकर, पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्रम प्रदानकर तथा कम्बल भेटकर सम्मानित कर किया गया। इसके साथ ही 80 वर्ष से अधिक आयु के उपस्थित पेशनर्स राजदेव यादव, राम प्रज्वलित सिंह, बाबूराम सिंह, अवधनरायण सिंह, उमाशंकर मिश्र, महावल यादव, लक्ष्मी नारायण पाण्डेय, राम प्रसाद, नियादिर अली, हीरालाल पाण्डेय, यदुनाथ सिंह, कवलदेई देवी, कालिका प्रसाद यादव, भगवान सिंह, उद्यव तिवारी, सत्यदेव सिंह को माला पहनाकर अंगवस्त्रम एवं कम्बल भेटकर सम्मानित किया गया। गवर्नमेन्ट पेशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिलेश चन्द्र श्रीवास्तव, पुलिस पेंशनर्स कल्याण संस्थान, जनपद शाखा जौनपुर के अध्यक्ष उमाशंकर मिश्र, सेवानिवृत्त उप पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह, पेंशनर्स संघ बेसिक शिक्षा परिषद, जनपद शाखा जौनपुर के अध्यक्ष, सत्यदेव सिंह, सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन, उ0प्र0 जनपद शाखा जौनपुर के अध्यक्ष, सी0बी0 सिंह एवं जिला मंत्री राजबली यादव, पेंशनर्स संघ राज विद्युत परिषद के अध्यक्ष, बलिभद्र मिश्र सहित सभी पेंशनर्स को भी माला पहनाकर सम्मानित किया गया वरिष्ठ कोषाधिकारी द्वारा कोषागार जौनपुर से पेंशन प्राप्त कर रहे पेंशनरों के पेंशन वितरण, पेंशन पुनरीक्षण, पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस चिकित्सा योजना, 80 वर्ष की आयु से अधिक आयु पर देय अतिरिक्त पेंशन/पारिवारिक पेंशन आदि कार्यो पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुये कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। पेंशनर्स दिवस पर पेंशनरो की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं सुझाव के दृष्टिगत कार्यक्रम की सार्थकता के उद्देश्य से पेंशनर संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा विचार/उद्बोधन व्यक्त किये गये। इसमें अध्यक्ष, पुलिस पेंशनर्स कल्याण संस्थान उमाशंकर मिश्र, अध्यक्ष सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन सी0बी0 सिंह एवं जिलामंत्री राजबली यादव, अध्यक्ष, राज्य विद्युत परिषद बलिभद्र मिश्र, जिलाध्यक्ष बेसिक शिक्षा परिषद सत्यदेव सिंह ने अपने विचार व्यक्त किये। सभी संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा कोषागार के कार्यो की प्रशंसा की गयी तथा चिकित्सा प्रतिपूर्ति के भुगतान के सम्बन्ध में कार्यालयाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष स्तर पर होने वाले विलम्ब तथा मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर पर तकनीकी परीक्षण में होने वाले विलम्ब की स्थिति से अवगत कराते हुये नियमानुसार समयान्तर्गत निस्तारण कराये जाने का अनुरोध किया गया है तद्क्रम में वरिष्ठ कोषाधिकारी जौनपुर द्वारा पेंशनरों की उचित मांगो/सुझाव का समर्थन करते हुये कार्यालयाध्यक्ष स्तर पर तथा कोषागार स्तर पर भी होने वाली किसी भी समस्या के समाधान हेतु आश्वस्त किया गया।

पेंशनर्स दिवस की अध्यक्षता कर रहे जिलाधिकारी द्वारा अपने उद्बोधन में पेंशनरों की उक्त समस्याओं का समाधान यथासम्भव ससमय कराये जाने हेतु आश्वस्त किया गया। उनके द्वारा सभी कार्यालयाध्यक्षों से अपेक्षा की गयी कि वे अपने-अपने विभागों से सेवानिवृत्त वरिष्ठजनों को कार्यालय में आमंत्रित करें और उनके द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में अनुभव/ मार्गदर्शन प्राप्त करें। पेंशनरों के पुनरीक्षण एवं प्रतिपूर्ति से सम्बन्धित देयको का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाय और कार्यालय में पेंशनर्स के उपस्थित होने पर उनका सम्मान किया जाय।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर, जिला सूचना अधिकारी, जनपद के समस्त विभागों के कार्यालयाध्यक्ष/ आहरण वितरण अधिकारियों सहित लगभग 250 पेंशनर्स/ पेंशनर्स प्रतिनिधि तथा कोषागार कार्यालय के दयाराम गुप्ता, मनोज कुमार यादव, जीशान हैदर, रवीन्द्र कुमार, रामधुवन, पवन कुमार, रमेशचन्द्र सरोज, विकास कुमार विश्वकर्मा, प्रतीक कुमार एवं सूरज कुमार आदि सभी कार्मिक उपस्थित रहे।

जनपद में शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने व किसी भी स्थिति से निपटने के लिए जौनपुर पुलिस तैयार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद पुलिस द्वारा पुलिस लाइन में किया गया बलवा ड्रिल का अभ्यास डॉ0 अजय पाल शर्मा, पुलिस कप्तान जौनपुर के निर्देशन में जनपदीय पुलिस की कार्यकुशलता को और निपुण व सशक्त बनाने तथा किसी भी परिस्थितियों से निपटने के लिए आज दिनांक-17.12.2024 को पुलिस लाइन जौनपुर के परेड ग्राउंड पर बलवा ड्रिल का अभ्यास कराया गया। अरविन्द कुमार वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा बलवा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों व की जाने वाली कार्यवाही के सम्बन्ध में सभी को आवश्यक निर्देश दिये गये। ड्रिल के दौरान आशु गैस के गोले, रबर बुलेट, फायर सर्विस व अन्य का प्रयोग करने की विधि बताकर रिहर्सल कराया गया। ड्रिल के रिहर्सल से पुलिस बल को आने वाले किसी भी परिस्थितियों से निपटने में मदद मिलेगी। बलवा ड्रिल में अरविन्द कुमार वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक नगर, अनुपम सिंह, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन जौनपुर व अन्य अधिकारी/ कर्मचारीगण द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान लोढ़ा परिवार ने किया श्रमिकों का सम्मान

मुंबई। लोढा. बेलव्यू के प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर लोढ़ा परिवार ने एक विशेष सेवा कार्य करते हुए वहाँ कार्यरत सभी मजदूरों के बीच महोत्सव का आयोजन किया। डॉ मंजू मंगलप्रभात लोढ़ा और उनके परिवार ने साड़ी, कंबल और स्टेशनरी सामग्री वितरित कर मजदूरों की मेहनत और योगदान का सम्मान किया। उन्हें मंच पर सम्मान से बिठाकर उनका स्वागत किया। महोत्सव के इस अवसर पर लोढ़ा परिवार ने यह पहल करते हुए समाज को यह संदेश दिया कि हर व्यक्ति का योगदान मूल्यवान है और उन्हें सम्मानित करना हमारा दायित्व है। मजदूरों ने इस आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए परिवार का आभार प्रकट किया। डॉ मंजू लोढ़ा कहा कि यह पहल श्रमिकों के प्रति कृतज्ञता और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो समाज में सहयोग और एकता का संदेश देती है।

अवैध बांध काम व रूम के निर्माण पर मनपा की तोडक कारवाई

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में विधानसभा चुनाव के दरमियान मौका के फायदा उठाते हुए यहां के भू माफिया और ठेकेदारों ने बड़े पैमाने पर अवैध बांध काम किया था। जिस पर आज 17 दिसंबर मंगलवार को वार्ड समिति क्रमांक 6 के कार्य क्षेत्र में पेनकर पाड़ा गणेश मंदिर रोड पर खुले स्थान में आरसीसी एवं ईट वर्क की सहायता से निर्मित भूतल पर दो एवं प्रथम तल पर दो मकानों पर मनपा द्वारा तोडक कारवाई किया गया, साथ ही काशीमीरा मसाचा पाड़ा (7) एकड़ में किया गया। अवैध रूम का निर्माण पर ठोस करवाई किया गया। यह कारवाई उक्त एम एन पी अपर आयुक्त डॉ, संभाजी पानपट्टे एवं कल्पिता पिंपले व अतिक्रमण विभाग प्रमुख नरेंद्र चौहान के मार्गदर्शन अनुसार और प्रभाग क्रमांक 6 के सह आयुक्त श्रीमती कांचन गायकवाड की आदेश व इंजीनियर अजीत पेंडारे इंजीनियर रोहन साबले और एमएसएफ के जवानों व मनपा कर्मचारी की मदद से मनपा अधिकारियों द्वारा तोड़फोड़ कर करवाई किया गया।

स्कूल जा रहे किशोर को बांध कर पीटा आरोपियों ने बनाया वीडियो

-रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

सिंगरामऊ, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के मल्लूपुर गांव में सोमवार सुबह स्कूल जा रहे किशोर पर कुछ युवकों ने हमला कर दिया और बाइक भी तोड़ डाली। युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया आनन फानन में राह से गुजर रहे लोगों ने पुलिस और परिजनों को सूचना दी। आरोपी युवकों ने मारपीट का वीडियो बनाया बछुआर गांव निवासी अनुराग मिश्र (15) पुत्र डॉक्टर मिश्र निवासी बछुआर स्कूल जा रहा था कि मल्लूपुर सोन चिरैया मंदिर के पास कुछ मनबढ़ युवकों ने उसे सीमेंट के बेंच से बांधकर बुरी तरह पीट दिया। और घटना का वीडियो भी बनाया। आनन फानन में स्थानीय लोगों की मदद से युवक को थाने ले जाया गया। चार के खिलाफ हुआ मुकदमा दर्ज पुलिस ने तहरीर लेते हुए युवक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। इस संबंध में थाना अध्यक्ष यजुवेंद्र सिंह ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर चार नामजद युवकों पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी हुई है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने दूसरी तिमाही में 99.04% दावों का निपटान किया

ठाणे। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने जुलाई 2024 से सितंबर 2024 की अवधि के लिए 99.04% का क्लेम सेटलमेंट रेशो घोषित किया है, जो उद्योग में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि मृत्यु दावों को निपटाने का औसत समय सिर्फ 1.2 दिन था। अमीश बैंकर, चीफ ऑपरेशंस ऑफिसर, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने कहा, दावा सच्चाई का अंतिम क्षण होता है, और हम हर दावे को अत्यधिक संवेदनशीलता के साथ संभालते हैं। वित्तीय वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में, हमारा क्लेम सेटलमेंट रेशो 99.04% था, जबकि अंतिम दस्तावेज प्राप्त होने की तारीख से बिना जांच किए गए दावों के लिए हमारा औसत दावा निपटान समय केवल 1.2 दिन था। इसके अलावा, हमने इसी अवधि में कुल 451 करोड़ रुपये से अधिक के मृत्यु दावों का निपटान किया। हमारी क्लेम फॉर श्योर पहल के तहत, हम सभी आवश्यक दस्तावेज प्राप्त होने के एक दिन के भीतर पात्र दावों का निपटान का वादा करते हैं। इस पहल के तहत, हमने वित्तीय वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 71.24 करोड़ रुपये के मृत्यु दावों का निपटान किया है । हमारा क्लेम सेटलमेंट रेशो लगातार उद्योग में अग्रणी रहा है; वित्तीय वर्ष 2024 पहली तिमाही में यह दर 97.94% था, वित्तीय वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 98.14%, वित्तीय वर्ष 2024 तीसरी तिमाही में 98.52%, और वित्तीय वर्ष 2024 में यह दर 99.17% था।

भांडुप में श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन

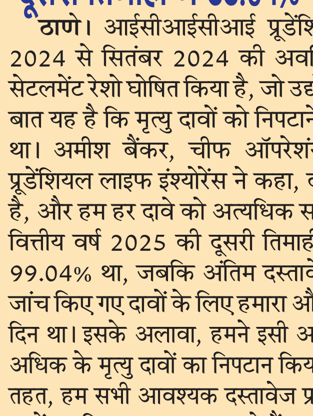

मुंबई। श्री नारायण सेवा समिति भांडुप द्वारा श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन 15 दिसंबर से 21दिसंबर तक शाम 6 बजे से 8 बजे तक जगत गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायनानंद तीर्थ (काशी धर्म पिठाधिश्वर -रामेश्वर मठ)द्वारा नित्यानंद मंदिर प्रांगण, भांडुप प. पर प्रभु श्री राम की लीलाओ का वर्णन किया जा रहा है। इस अवसर पर सारिका मंगेश पवार (मा. नगरसेविका), डॉ. रमेश सिंह, अजय पटेल,प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक राजेंद्र दुबे, एड. संतोष सिंह, इंद्रजीत तिवारी, समरजीत मिश्रा, शैलेश तिवारी,सुभाष यादव, कृष्णकांत तिवारी है। रामकथा श्रवण हेतु भांडुप की श्रद्धालु जनता की भारी भीड़ उमड़ रही है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

-धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के बछाडी मोड़ के पास से किशोरी का अपहरण करके दुष्कर्म करने के आरोप में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस संबंध में थाना अध्यक्ष सिंगरामऊ ने बताया कि किशोरी का अपहरण करके दुष्कर्म करने के आरोप में वांछित चल रहे एक अभियुक्त अंकित जैसवार पुत्र मनोज जैसवार ग्राम लबिदाही थाना सिंगरामऊ को बछाडी मोड के पास से गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मंत्रिमंडल में एक भी उत्तर भारतीय को शामिल न करना भाजपा को पड़ सकता है भारी

-शिवपूजन पांडे, वरिष्ठ पत्रकार

मुंबइ(उत्तरशक्ति)। विधानसभा चुनाव में उत्तर भारतीय मतदाताओं ने संगठित रूप से भाजपा के पक्ष में मतदान किया। जिन क्षेत्रों में उत्तर भारतीय मतदाताओं की निर्णायक संख्या रही, वहां के परिणाम का मूल्यांकन करें तो यह बात साफ हो जाती है कि इस बार उत्तर भारतीय मतदाताओं ने जातिगत भावनाओं से ऊपर उठकर भाजपा की प्रचंड जीत में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। भाजपा ने पहले उत्तर भारतीयों को टिकट देने में बेरुखी दिखाई परंतु बाद में उत्तर भारतीय समाज के दबाव को देखते हुए कुछ उत्तर भारतीयों को टिकट दिए गए। बोरीवली से संजय उपाध्याय को टिकट दिया गया, जिन्होंने मुंबई में सबसे अधिक मतों से विजय प्राप्त की। इसी तरह वसई विधानसभा से स्नेहा दुबे पंडित ने हितेंद्र ठाकुर को हराकर अविस्मरणीय इतिहास रच दिया। उत्तर भारतीय समाज को पूरी उम्मीद थी कि उत्तर भारतीय समाज के किसी न किसी विधायक को मंत्री जरूर बनाया जायेगा। परंतु मंत्रिमंडल से जिस तरह से उत्तर भारतीय विधायकों का सुपड़ा ही साफ कर दिया गया, उससे उत्तर भारतीय समाज खुद को आहत, निराश और ठगा हुआ महसूस कर रहा है। आने वाले महीनों में भाजपा को महानगर पालिका चुनाव में उतरना है। उत्तर भारतीय मतदाताओं के समर्थन के बिना यह चुनाव जीतना संभव नहीं है। ऐसे में भाजपा के लिए आवश्यक था कि वह कम से कम एक उत्तर भारतीय विधायक को मंत्रिमंडल में शामिल करती। इसे भाजपा की भूल कहे या उसका ओवर कॉन्फिडेंस कहें कि वह एक भी उत्तर भारतीय को मंत्रिमंडल में शामिल किए बिना आगे भी उनके पूर्ण समर्थन की आशा कर रही है। पूर्वांचल विकास परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. द्रिगेश यादव के अनुसार इस बार विधानसभा चुनाव में उत्तर भारतीय मतदाताओं ने जिस तरह से भाजपा के पक्ष में एकमुश्त मतदान किया, उससे पूरी उम्मीद थी कि मंत्रिमंडल में कम से कम एक उत्तर भारतीय को जरूर जगह मिलेगी। खासकर पूर्वांचल के लोगों में इस बार के मंत्रिमंडल को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा था। माना जा रहा था कि पूर्वांचल की स्नेहा दुबे पंडित, विद्या ठाकुर और संजय उपाध्याय में से किसी न किसी को मंत्रिमंडल में सम्मानजनक स्थान जरूर मिलेगा। परंतु जिस तरह से उत्तर भारतीय विधायकों को मंत्रिमंडल से दूर कर दिया गया, उसे देखकर उत्तर भारतीय समाज के साथ-साथ पूर्वांचल के लोग भी दुखी हैं।

पार्टी सूत्रों की माने तो मंत्रिमंडल विस्तार में उत्तर भारतीयों को निश्चित रूप से तरजीह दी जाएगी। उत्तर भारतीय मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुरेश सिंह के अनुसार भाजपा ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो उत्तर भारतीयों के हितों और संरक्षण का खुलकर वकालत करती है। हमें पूरी उम्मीद है कि महानगरपालिका चुनाव में उत्तर भारतीयों को अधिक से अधिक अवसर दिया जाएगा। शिवसेना के राष्ट्रीय प्रवक्ता आनंद दुबे का मानना है कि भाजपा सिर्फ उत्तर भारतीयों को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करती है। उत्तर भारतीय अब धीरे धीरे बीजेपी की यूज एंड थ्रो वाली मानसिकता समझ रहे हैं।

भारत अगले पांच वर्षों के भीतर सबसे बड़ा ईवी विनिर्माण केंद्र बनेगा : नितिन गडकरी

पटना(उत्तरशक्ति)। भारत के अग्रणी मीडिया हाउस, नेटवर्क18 ने अपने वार्षिक कॉन्क्लेव ग्रीन भारत के पहले संस्करण का आयोजन सफलता पूर्वक पूरा किया। इस कॉन्क्लेव का आयोजन भारत की सबसे बड़ी शुद्ध इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के साथ मिलकर किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ईवी के आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक लाभों के बारे में बात करते हुए टिकाऊ परिवहन के लिए भारत में बदलाव लाने की दिशा में आगे बढ़ना और साथ ही ईवी के व्यापक रूप से अपनाने की राह में बाधा डालने वाली चुनौतियों से निपटना है। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम नीति निमार्ताओं, विनिमार्ताओं, उद्योग के दिग्गजों और पर्यावरण संरक्षणकताओं को भारत में इलेक्ट्रिक परिवहन के भविष्य के लिए एक एकीकृत रोडमैप तैयार करने के लिए एक साथ एक मंच पर लेकर आया। सम्मानित अतिथियों में नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री और पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल थे। कार्यक्रम में बोलते हुए, नितिन गडकरी ने जोर देते हुए कहा, पिछले कुछ वर्षों में, हरित परिवहन क्षेत्र में अविश्वसनीय प्रगति हासिल की है। ज्ञान और संपत्ति के वर्तमान पारिस्थितिकी तंत्र के साथ-साथ अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने वाले युवाओं की बढ़ती संख्या के साथ, मुझे पूरा भरोसा है कि भारत अगले पांच वर्षों के भीतर सबसे बड़ा ईवी विनिर्माण केंद्र बन जाएगा।

पीयूष गोयल ने इस भावना को प्रतिध्वनित करते हुए कहा, भारत की हरित परिवहन क्रांति अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है, फेम 1 और 2 जैसी परिवर्तनकारी पहलों द्वारा संचालित यह क्रांति ईवी उद्योग को आत्मनिर्भर और खुद को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए सशक्त बना रही है। कार्यक्रम की सफलता पर बोलते हुए, अविनाश कॉल, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, नेटवर्क18 (ब्रॉडकास्ट) और मैनेजिंग डायरेक्टर, ने कहा, परिवहन में भारत एक बड़े बदलाव की दहलीज पर खड़ा है, जो एक स्थायी और आत्मनिर्भर भविष्य के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण से प्रेरित है।

डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल, चेम्बूर ने सटीक और ब्लेडलेस कॉर्नियल सर्जरी के लिए लेजर सिस्टम लॉन्च किया

मुंबई। डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल, आयुष आई क्लिनिक और LASIK सेंटर चेम्बूर, मुंबई के साथ साझेदारी में, WaveLight FS200 फेमटोसेकंड लेजर सिस्टम लॉन्च किया है, जिसे LASIK जैसी रिफ्रैक्टिव सर्जरी और कॉर्निया के कटिंग (रेसेक्शन) से संबंधित अन्य प्रक्रियाओं के लिए सबसे सटीक सिस्टम माना जाता है। इस मशीन का आधिकारिक उद्घाटन 17 दिसंबर को चेम्बूर में हुआ। फेमटोसेकंड लेजर आई सर्जरी एक लेजर-आधारित प्रक्रिया है जो निकटदृष्टि (नियर-साइटेडनेस), दूरदृष्टि (फार-साइटेडनेस), और ऐस्टीग्मेटिज्म जैसे दृष्टि समस्याओं को सही करती है। एक फेमटोसेकंड लेजर कॉर्निया में एक फ्लैप बनाता है, जिसे फिर उठाकर कॉर्निया को दूसरे लेजर से फिर से आकार दिया जाता है। फिर फ्लैप को फिर से स्थिति में रखा जाता है ताकि आंख ठीक हो सके। फेमटो लेजर उपचार पारंपरिक LASIK सर्जरी से अधिक सटीक और अनुकूलन योग्य होता है, और यह कॉर्निया को काटने के लिए ब्लेड की आवश्यकता को समाप्त करता है। WaveLight FS200 फेमटोसेकंड लेजर सिस्टम भी न्यूनतम आक्रामक और दर्दरहित है। राहुल अग्रवाल, COO – अस्पताल व्यवसाय, डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल, ने कहा, मुंबई में 15 अस्पतालों और महाराष्ट्र में 26 अस्पतालों के साथ, हम रोगी परिणामों और देखभाल में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। FS200 फेमटोसेकंड लेजर ने हमारे लिए एक बेहतर रिफ्रैक्टिव सर्जरी अनुभव प्रदान करने की क्षमता को दोगुना कर दिया है। डॉ. नीता शाह, हेड ऑफ क्लिनिकल सर्विसेज, डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल, चेम्बूर ने कहा WaveLight FS200 फेमटोसेकंड लेजर अत्यधिक सटीकता, विश्वसनीयता और गति प्रदान करता है। यह अद्वितीय रूप से एक मानक 9 मिमी कॉर्नियल फ्लैप केवल 6 सेकंड में बना सकता है, जो इसे दुनिया का सबसे तेज फ्लैप-निर्माण लेजर प्लेटफॉर्म बनाता है, जो प्रभावी और अत्यधिक विश्वसनीय उपचार प्रदान करता है। पारंपरिक LASIK सर्जरी में ब्लेड जैसे यंत्र का उपयोग करके कॉर्निया को यांत्रिक रूप से अलग किया जाता है और फ्लैप बनाया जाता है। इसके विपरीत, फेमटोसेकंड लेजर, जैसे WaveLight FS200, वास्तव में कॉर्निया को नहीं काटते। इसके बजाय, वे एक लेजर का उपयोग करके फ्लैप बनाते हैं जो सटीक गहराई और स्थान पर छोटे बुलबुले उत्पन्न करता है। यह रोगियों के लिए एक पूरी तरह से ब्लेड-फ्री LASIK अनुभव सुनिश्चित करता है।

पार्षद पति को पीआर बी सिपाही ने जाति सूचक गाली दिया, बवाल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के आदमपुर थानान्तर्गत कोनिया रोड पर एयरटेल कंपनी के कर्मचारियों द्वारा 5G लाइन डालने के लिए रोड किनारे कई जगह गड्ढा कर छोड़ दिया गया था। गड्ढा कई रोज पहले कर्मचारियों द्वारा किया गया था गड्ढे में राहगिर और खेलते वक्त कई बच्चे खेलते हुए गड्ढे में गिर कर घायल हो गये। जिसके वजह से क्षेत्रीय लोगों में रोष व्याप्त है ।आज रात में कर्मचारी द्वारा मशीन के माध्यम से अंडर पास होल बनाया जा रहा था। जब लोगों ने कर्मचारी के पास पहुंच कर रोड पर गड्ढा करने का परमिशन पूछने लगे एक मजदूर ने अपने आप को जेई बताते हुए कहा मेरे पास परमिशन है लोगों ने परमिशन का मांग किया मजदूर ने 112 नंबर फोन कर पुलिस की मदद मांगी 112 की सूचना पर पीआरबी मौके पहुंचकर लोगों के ऊपर दबाव बनाने लगा की परमिशन तुम लोग मांगने वाले कौन होते हो क्षेत्रीय लोगों ने भाजपा पार्षद पति विजय सोनकर को घटना के बाबत सूचना दिया सूचना मिलते विजय सोनकर मौके पहुंचकर अपना परिचय देते हुए पुलिस से कहा यदि नगर निगम के क्षेत्र में किसी प्राइवेट कंपनियों द्वारा कार्य कराया जाता है। इसकी परमिशन नगर निगम के नगर आयुक्त से लिया जाता है। यह बात सुनकर पीआरबी सिपाही आग बबूला होकर पार्षद पति को जाति सूचक गाली गलौज देने लगा। फर्जी मुकदमे में बंद करने को कहने लगा। इस बात से नाराज होकर पार्षद पति ने कार्यकर्ताओं को सूचना देते हुए की दर्जनों की संख्या में आदमपुर थाने पहुंचे और वास्तविक स्थिति की जानकारी थाना प्रभारी को देते हुए पीआरबी सिपाही को बुलाने की मांग करने लगे।पीडिता ने सिपाही के खिलाफ तहरीर लिखित दिया।

प्रधानाचार्य परिषद की बैठक में हुई विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मंगलवार को राजा श्री कृष्ण दत्त इंटर कॉलेज जौनपुर के सभागार में प्रधानाचार्य परिषद की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद जौनपुर के विभिन्न विद्यालयों से प्रधानाचार्य तथा प्रधानाचार्य परिषद के सम्मानित सदस्य और पदाधिकारी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का प्रारंभ प्रधानाचार्य परिषद् जौनपुर के अध्यक्ष डॉ. संजय चौबे ने सभी सम्मानित प्रधानाचार्य और पदाधिकारीयों का स्वागत से किया।

सिटी बस व ट्रक की जोरदार भिड़ंत

मेरठ(उत्तरशक्ति)। मेरठ से सटे सरधना थानाक्षेत्र में बिनोली-सरधना मार्ग पर भूनी चौराहे के पास रोडवेज सिटी बस व ट्रक की आमने-सामने से टक्कर हो गई। बस के नीचे आने से दो बाइक सवार युवक घायल हो गए। इलाज के दौरान अतुल(21) पुत्र कवंरपाल निवासी चांदना की मौत हो गई। मौके पर ग्रामीणों ने बस में तोड़फोड़ कर दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। वहीं घायल युवक का उपचार किया जा रहा है। युवक की मौत से परिजनों को रो रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार गांव चांदना निवासी अंकुर पुत्र कुंवरपाल बाइक पर सवार होकर भूनी चौराहे पर अपने छोटे भाई अतुल को छोड़ने जा रहा था।

पत्रकार को मातृशोक हुई शोक सभा जौनपुर

मछलीशहर,जौनपुर)उत्तरशक्ति)।पत्रकार संघ मछलीशहर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व एक दैनिक अखबार के प्रतिनिधि डॉ मनोज तिवारी की माता का कल शाम को प्रयागराज में ईलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन पर जौनपुर पत्रकार संघ मछलीशहर के लोगों में शोक व्याप्त है।पत्रकार डा0 मनोज तिवारी की माता के निधन की सूचना पर जौनपुर पत्रकार संघ मछलीशहर के अध्यक्ष अनिल पाण्डेय की अध्यक्षता में उनके आवास पर एक शोक सभा कर श्रद्धांजलि दी गई और शोक संतप्त परिवार को इस दुःखद समय में कष्ट सहन करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस मौके पर पत्रकार संजय सिंह,सतीश चन्द्र दूबे, हाफिज नियामत,विवेक चौरसिया,अरुण तिवारी,कमलेश मिश्रा,करुणाकर द्विवेदी,राधारमन अग्रहरी,विवेक गुप्ता,दिनेश चौरसिया, सहित क्षेत्र के तमाम पत्रकार उपस्थित रहे।

सरकार ने जलवाहक योजना की शुरूआत की, आंतरिक जलमार्गो और कार्गो मूवमेंट को मिलेगा बढ़ावा

कोलकाता। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री (एमओपीएसडब्ल्यू) सबानंद सोनोवाल ने आज यहां राष्ट्रीय जलमार्ग 1 (गंगा नदी) के साथ-साथ राष्ट्रीय जलमार्ग 2 (ब्रह्मपुत्र नदी) और राष्ट्रीय जलमार्ग 16 (बराक नदी) के माध्यम से लंबी दूरी के कार्गो के परिवहन को प्रोत्साहित करने के लिए कार्गो प्रोत्साहन की एक महत्वपूर्ण नीति जलवाहक का अनावरण किया।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने आज यहां जीआर जेट्टी से एमवी एएआई, एमवी होमी भाभा और एमवी त्रिशूल के साथ दो डंब बार्ज अजय और दीखू को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे एनडब्ल्यू 1 और एनडब्ल्यू 2 के लिए हल्दिया से निर्धारित कार्गो जहाज सेवा की शुरूआत हो गई। निर्धारित दिन की निर्धारित नौकायन सेवा एनडब्ल्यू 1 के कोलकाता-पटना-वाराणसी-पटना-कोलकाता खंड और एनडब्ल्यू 2 के कोलकाता और गुवाहाटी के पांडु के बीच इंडो बांग्लादेश प्रोटोकॉल रूट (आईबीपीआर) के माध्यम से चलेगी। केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर और उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह भी इस महत्वपूर्ण अवसर पर शामिल हुए।

इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री सबानंद सोनोवाल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में सरकार ने हमारे समृद्ध आंतरिक जलमार्गों के विशाल संभावनाओं को साकार करने के लिए एक समेकित प्रयास किया है। आर्थिक, पर्यावरणीय और कुशल परिवहन के रूप में जलमार्गों का लाभ उठाकर, हम रेल और सड़क यातायात को कम करने के लिए जलमार्गों के माध्यम से कार्गो परिवहन को बढ़ावा देना चाहते हैं। जलवाहक योजना एनडब्ल्यू1, एनडब्ल्यू2 और एनडब्ल्यू16 पर लंबी दूरी के कार्गो को प्रोत्साहित करती है और व्यापारिक हितों के लिए जलमार्गों के माध्यम से कार्गो परिवहन की संभावनाओं का पता लगाने का एक शानदार आर्थिक मूल्य प्रस्ताव प्रदान करती है। आगे, कोलकाता से शुरू हुई नियमित निर्धारित माल सेवा यह सुनिश्चित करेगी कि कार्गो एक निश्चित समय सीमा के भीतर परिवहन और वितरण किया जाए। इससे हमारे उपयोगकताओं के बीच राष्ट्रीय जलमार्गों की नियमित कार्गो परिवहन के लिए तैयारी के बारे में विश्वास उत्पन्न होगा, जो एक कुशल, आर्थिक और पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार परिवहन मोड है। हमारे जहाज संचालकों को इस प्रोत्साहन योजना के साथ सशक्त बनाकर और हमारे व्यवसायों को सुरक्षित और समय पर कार्गो वितरण के साथ प्रोत्साहित करके, यह प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के परिवहन के माध्यम से परिवर्तन के दृष्टिकोण को सार्थक रूप से जोड़ता है क्योंकि भारत विकसित भारत बनने की ओर बढ़ रहा है।

शॉर्ट सर्किट से कार गैरेज में लगी भीषण आग

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के उरमौरा इलाके में स्थित कार डेन्ट गैरेज में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। यहां मरम्मत के लिए रखे गए आट से अधिक वाहन जलकर राख हो गए और लाखों के ऑटो पार्ट्स भी आग की जद में आने से जल गए। आग लगने से आसपास के क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति हो गई। इस दौरान मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। घटना बीती रात 1 बजे के करीब की बताई जा रही है। जिस समय आग लगने की घटना हुई उस समय दुकान में कर्मचारी भी मौजूद थे। उन्होंने घटना के बारे में दुकान मालिक समेत पुलिस को सूचना दी। सूचना के 1 घंटे बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने घण्टों मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

मालपाणी बेकलाईट ने अब तक 25 करोड़ क्रीमरोल्स बनाकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की

मुंबई (उत्तरशक्ति)। खाद्य प्रसंस्करण और बेकरी क्षेत्र में अग्रणी और भरोसेमंद ब्रांड मालपाणी का बैकेलाइट एक ऐतिहासिक मील के पत्थर तक पहुंच गया है और 1999 में कंपनी की स्थापना से अभी तक 25 करोड़ क्रीम रोल का उत्पादन किया है। बेकलाइट फूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड पुणे की बेकरी इंडस्ट्री में एक जाना-पहचाना नाम है और 25 से ज्यादा सालों से बाजार में मौजूद है। यह उपभोक्ताओं को शुद्ध शाकाहारी बेकरी प्रॉडक्ट्स प्रदान करता है। सचिन मालपाणी ने बेकरी सेग्मेंट में 100 फीसदी शुद्ध शाकाहारी प्रॉडक्ट्स उपभोक्ताओं को मुहैया कराने के उद्देश्य से बेकरी के बिजनेस में कदम रखा। बेकरी इंडस्ट्री आज भी एक असंगठित क्षेत्र है। इसकी कोई स्पष्ट संरचना और नियम नहीं है। बेकरी प्रॉडक्ट्स के कई स्थानीय निमार्ता भी क्रीम रोल, खारी, टोस्ट और जीरा बटर जैसे बेकरी प्रॉडक्ट्स बेचते हैं। हालांकि इस क्षेत्र के अव्यवस्थित होने के साथ-साथ यहां साफ-सफाई की कमी और गुणवत्ता की जांच न होने की समस्या भी है। यह क्षेत्र पर मुख्यरूप से उन बेकरीज का नियंत्रण है, जो अंडे और मांसाहारी उत्पादों के साथ-साथ अन्य बेकरी प्रॉडक्ट्स भी बेचते हैं। इसके चलते शाकाहारी लोगों के लिए बेकरी प्रॉडक्ट्स के विकल्प काफी सीमित हो जाते हैं। इस उपलब्धि पर बात करते हुए, मालपाणी बेकलाईट के प्रबंध निदेशक सचिन मालपाणी ने कहा, क्रीम रोल सिर्फ एक डेजर्ट नहीं है, बल्कि आधुनिक दुनिया में भावनात्मक संतुष्टि का एक प्रतीक बन गया है। बेकलाईट भविष्य में शुद्ध शाकाहारी उत्पादों को ध्यान में रखते हुए आधुनिकता और परंपरा के अनूठे मिश्रण के साथ उत्पाद लॉन्च करने की योजना बना रहा है। यह व्यस्तता के बीच मिठास पाने के खूबसूरत पल देता है।

कवियत्री प्रभा शर्मा सागर बिहार में सम्मानित

मुंबई। मुंबई की कवियत्री साहित्यकार डा. प्रभा शर्मा सागर को मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव राजगीर (नालंदा) बिहार में उत्कृष्ट साहित्य साधना के लिए चाणक्य मेघा शक्ति साहित्य शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया। वहीं उन्हें सांसद श्री विवेक ठाकुर जी के कर कमल द्वारा एक विशेष सम्मान भारतीय डाक सेवा के ताम्र टिकट के 250 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चित्र सहित प्रदान किया गया। कवि ओंकार शर्मा कश्यप एवं जितेंद्र तिवारी के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में देश-विदेश से पधारे लगभग 100 से भी अधिक साहित्यकारों ने भाग लेकर साहित्य की विभिन्न विधाओं में अपना प्रस्तुतिकरण दिया एवं विरायतन संस्थापक पद्मश्री सम्मान सा सम्मानित साध्वी मां चंदन ताई द्वारा आशीर्वाद/उपहार मिला। हम सभी हिंदी सेवी साहित्यकारों के नाम से भारत सरकार के डाक विभाग द्वारा जारी डाक टिकट का लोकार्पण नवादा के सांसद श्री विवेक ठाकुर द्वारा किया गया जिस पर साहित्यकारों के नाम फोटो और टिकट था।

डंपर ने बाइक सवार मां-बेटे को कुचला

फतेहपुर (उत्तरशक्ति)। तेज रफ्तार डंपर ने मंगलवार सुबह बाइक सवार मां और बेटे को कुचल दिया। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर छोड़कर चालक भाग निकला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हादसा थाना क्षेत्र के किशनपुर चौकी के महेवा-मंझनपुर मार्ग पर सुबह करीब साढ़े 10 बजे हुआ। हादसे में बाइक सवार कौशांबी जिला के टिकरा गांव निवासी नीरज कुमार पांडेय (28) व उनकी मां रानी पांडेय (50) की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक नीरज अपनी मां को लेकर मंझनपुर दवा कराने जा रहा था। गिट्टियों में फिसलने से बाइक सवार अनियंत्रित होकर गिर पड़े। पीछे से आ रहे डंपर ने दोनों को कुचल दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सीओ ने बताया कि डंपर पकड़ा गया है।